नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा

पात्रताः अपने ही जिले में स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा में बैठने योग्य हैं।

आयु सीमाः 8 से 12 वर्ष के मध्य।

- ✪ आवेदन फार्म D.E.O./ B.E.E.O. कार्यालय / तहसील स्तर पर रा.मा.वि. एवं रा.उ.मा. विद्यालयों से मिलते हैं।
- ✪ जवाहर नवोदय फार्म सम्बन्धित नवोदय विद्यालय में भी निःशुल्क उपलब्ध होते हैं।
- ✪ दैनिक समाचार पत्रों में विज्ञप्ति निकलने के बाद सामान्यतया अक्टूबर माह में फार्म जमा किये जाते हैं।
- ✪ SC/ST छात्रों को नियमानुसार आरक्षण मिलता है।
- ✪ 75% ग्रामीण क्षेत्रों के लिए सीटें आरक्षित होती हैं।
- ✪ कक्षा 3, 4, 5 लगातार ग्रामीण क्षेत्र विद्यालय से उत्तीर्ण होने पर 75% आरक्षण देय है।

चयनः चयन प्रवेश परीक्षा में प्राप्त अंकों की मेरिट द्वारा किया जाता है।

कक्षा 9 व 11 के लिए भी सम्बन्धित नवोदय विद्यालय से सम्पर्क कर सकते हैं।

विस्तृत जानकारी के लिए **वेबसाइट**– www.navodaya.nic.in

भारतीय सैन्य अकादमी देहरादून प्रवेश परीक्षा

योग्यताः सातवीं कक्षा में उत्तीर्ण अथवा सातवीं कक्षा में अध्ययनरत हो।

आयुः 11½ वर्ष से कम और 13 वर्ष नहीं होनी चाहिए।

चयन प्रक्रियाः अंग्रेजी/गणित और सामान्य ज्ञान, तीनों विषयों के अलावा व्यक्तित्व परीक्षण (साक्षात्कार) होता है।

कम से कम 50% अंक पृथक–पृथक विषय में प्राप्त करने अनिवार्य होते हैं।

आवेदन शुल्कः सामान्य अभ्यर्थी 450 रूपये व अन्य केटेगरी के लिए शुल्क में छूट।

आवेदन पत्र के साथ संलग्न करने वाले दस्तावेजः

1. स्कूल अध्ययन प्रमाण पत्र।
2. अनुसूचित जाति/जनजाति प्रमाण पत्र।
3. उम्मीदवार के पासपोर्ट आकार के दो फोटो।
4. नगरपालिका के जन्म रजिस्टर से अथवा स्कूल रिकार्ड के रजिस्टर से आयु प्रमाण–पत्र की दो प्रतियाँ।
5. स्वयं का पता लिखा लिफाफा जिस पर निर्धारित राशि (रजिस्टर्ड) के टिकट लगे हों।
6. आवेदन निर्धारित तिथि में किया जाए।

चयन की सूचना अथवा अन्य प्रकार की सूचना हेतु शासन उपसचिव, शिक्षा [ग्रुप-6] विभाग, शासन सचिवालय, जयपुर से व्यक्तिगत रूप से सम्पर्क कर सकते हैं।

आई.टी.आई.

प्रारम्भः	सन् 1950 में भारत सरकार द्वारा आई.टी.आई. संस्थान की शुरुआत की गयी।
उद्देश्यः	इसका उद्देश्य रोजगार प्रशिक्षण देकर शिक्षित तथा कम पढ़े–लिखे युवकों को रोजगार देना।
पाठ्यक्रम एवं अवधिः	आई.टी.आई. में पूर्णकालिक तथा अल्पकालिक कई पाठ्यक्रम हैं, जो एक, दो तथा तीन वर्षीय होने के साथ–साथ 04 से 16 सप्ताह के भी हैं।
एक वर्षीय पाठ्यक्रमः	कटिंग व टेलरिंग, एम्ब्राइडरी, स्टेनोग्राफी (हिन्दी व अंग्रेजी) टैक्सटाइल डिजाइनिंग, ड्रेस डिजाइनिंग, कम्प्यूटर ऑपरेटर एवं प्रोग्रामिंग, जनरल मैकेनिक एवं मशीन ऑपरेटर, कुकिंग केटरिंग एवं होम मैनेजमेन्ट आदि शामिल हैं।
दो वर्षीय पाठ्यक्रमः	इलेक्ट्रोनिक्स, रेफ्रीजरेशन व ए.सी. इलेक्ट्रीशीयन, ड्राफ्ट्समैन, इलेक्ट्रिक मैकेनिक, फिटर, टर्नर, मशीनिस्ट, वायरमैन आदि शामिल हैं।
तीन वर्षीय पाठ्यक्रमः	टूल एवं डाईमेकर (डाइज एवं मोल्ड्रास) टूल एण्ड मेकर (प्रेस टूल्स जिंक्स एवं फिक्सर)
आयु सीमाः	सामान्यतः 16–25 वर्ष
शैक्षिक योग्यताः	व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु एक, दो तथा तीन वर्षीय इंजीनियरिंग कोर्स के लिए सामान्यतः अभ्यर्थी को विज्ञान विषयों (भौतिक और रसायन) एवं गणित सहित 10+2 प्रणाली के अन्तर्गत 10वीं व 12वीं उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। बहुत से नॉन इंजीनियरिंग कोर्स ऐसे भी हैं जिनमें प्रवेश के लिए 8,10 या 12वीं पास होना आवश्यक है।
आरक्षणः	सरकारी नियमानुसार आरक्षण देय।

विभिन्न आई.टी.आई. ट्रेड प्रशिक्षण

क्र.सं.	ट्रेड का नाम	अवधि (वर्ष)	पात्रता	आयु सीमा	प्रशिक्षण संस्थान
1.	फिटर	2 वर्ष	10वीं उत्तीर्ण	16 से 25 वर्ष	मान्यता प्राप्त राजकीय व निजी आई.टी.आई.केन्द्र
2.	टर्नर	2 वर्ष	10वीं उत्तीर्ण	16 से 35 वर्ष	मान्यता प्राप्त राजकीय व निजी आई.टी.आई.केन्द्र
3.	मशीनिस्ट	2 वर्ष	10वीं उत्तीर्ण	16 से 25 वर्ष	मान्यता प्राप्त राजकीय व निजी आई.टी.आई.केन्द्र
4.	मोटर मैकेनिक	2 वर्ष	10वीं उत्तीर्ण	16 से 25 वर्ष	मान्यता प्राप्त राजकीय व निजी आई.टी.आई.केन्द्र
5.	मैकेनिकल	2 वर्ष	10वीं उत्तीर्ण	16 से 25 वर्ष	मान्यता प्राप्त राजकीय व निजी आई.टी.आई.केन्द्र
6.	इलेक्ट्रिक मैकेनिक	2 वर्ष	10वीं उत्तीर्ण	16 से 25 वर्ष	मान्यता प्राप्त राजकीय व निजी आई.टी.आई.केन्द्र
7.	ड्राफ्ट्समैन सिविल	2 वर्ष	10वीं उत्तीर्ण	16 से 25 वर्ष	मान्यता प्राप्त राजकीय व निजी आई.टी.आई.केन्द्र
8.	सर्वेयर	2 वर्ष	10वीं उत्तीर्ण	16 से 25 वर्ष	मान्यता प्राप्त राजकीय व निजी आई.टी.आई.केन्द्र
9.	इलेक्ट्रोनिक्स	2 वर्ष	10वीं उत्तीर्ण	16 से 25 वर्ष	मान्यता प्राप्त राजकीय व निजी आई.टी.आई.केन्द्र

विभिन्न आई.टी.आई. ट्रेड प्रशिक्षण

क्र.सं.	ट्रेड का नाम	अवधि (वर्ष)	पात्रता	आयु सीमा	प्रशिक्षण संस्थान
10.	मशीनिस्ट ग्राइण्डर	2 वर्ष	10वीं उत्तीर्ण	16 से 25 वर्ष	मान्यता प्राप्त राजकीय व निजी आई.टी.आई.केन्द्र
11.	इलेक्ट्रीशियन	2 वर्ष	10वीं उत्तीर्ण	16 से 35 वर्ष	मान्यता प्राप्त राजकीय व निजी आई.टी.आई.केन्द
12.	डीज़ल मैकेनिक	2 वर्ष	10वीं उत्तीर्ण	16 से 25 वर्ष	मान्यता प्राप्त राजकीय व निजी आई.टी.आई.केन्द्र
13.	पेन्टर	2 वर्ष	10वीं उत्तीर्ण	16 से 25 वर्ष	मान्यता प्राप्त राजकीय व निजी आई.टी.आई.केन्द्र
14.	वेल्डर	1 वर्ष	10वीं उत्तीर्ण	16 से 25 वर्ष	मान्यता प्राप्त राजकीय व निजी आई.टी.आई.केन्द्र
15.	कारपेन्टर	1 वर्ष	10वीं उत्तीर्ण	16 से 25 वर्ष	मान्यता प्राप्त राजकीय व निजी आई.टी.आई.केन्द्र
16.	कम्प्यूटर ऑपरेटर एण्ड प्रोग्रामिंग असिस्टेन्ट	1 वर्ष	10वीं उत्तीर्ण	16 से 25 वर्ष	मान्यता प्राप्त राजकीय व निजी आई.टी.आई.केन्द्र

रोजगार के अवसर–उक्त विभिन्न आई.टी.आई. डिप्लोमा प्रशिक्षण प्राप्त विद्यार्थी देश के राजकीय विभागों रेलवे, विद्युत, जलदाय, रक्षा तथा विभिन्न निजी कम्पनियों आदि में अपना कॅरियर बना सकते हैं साथ ही स्वयं का व्यवसाय भी शुरू कर सकते हैं।

रेलवे व्यावसायिक पाठ्यक्रम

कोर्स का नामः	''रेलवे कॉमर्शियल'' (व्यावसायिक) पाठ्यक्रम
पात्रताः	10वीं उत्तीर्ण
रोजगार अवसरः	रेलवे में कॉमर्शियल क्लर्क/टिकट कलेक्टर
संस्थानः	1. दिल्ली, मुम्बई 2. चैन्नई, कोलकाता 3. सिकन्दराबाद 4. गुवाहाटी 5. गोरखपुर
आयु सीमाः	15–18 वर्ष।
पाठ्यक्रम विषयः	1. अंग्रेजी, 2. विद्यालय में पढ़ाई जाने वाली दूसरी भाषा अथवा व्यावसायिक अध्ययन अथवा अर्थशास्त्र।
पाठ्यक्रम का माध्यमः	अंग्रेजी
प्रवेश परीक्षा का स्वरूप	सामान्य ज्ञान, सामान्य अंग्रेजी, सामान्य अंकगणित, सामान्य बुद्धि/मनोविज्ञान और अभिरुचि के प्रश्न। प्रवेश परीक्षा पास करने वाले विद्यार्थियों को उनके अंकों के आधार पर व्यावसायिक पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जायेगा, बशर्ते कि वे 10वीं परीक्षा में कुल 50% अंक प्राप्त करते हैं। SC/ST के विद्यार्थियों के लिए 40% अंक।
आरक्षणः	तात्कालिक नियमानुसार
विज्ञापन का समयः	नवम्बर/ दिसम्बर माह
आवेदन कैसे करें:	रेल भर्ती परिषद के अध्यक्ष/सहायक सचिव के पते पर आवेदन करना होता है।
वेबसाइटः	www.rrb.gov.in

इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा

A. इंजीनियरिंग में डिग्री

इंजीनियरिंग में प्रवेश हेतु विद्यार्थी का सीनियर सैकण्डरी कक्षा (10+2) में विज्ञान विषय गणित के साथ उत्तीर्ण होना आवश्यक है। प्रवेश हेतु केन्द्र सरकार व राज्य सरकार द्वारा अलग–अलग टेस्ट आयोजित किये जाते हैं। टेस्ट में मेरिट के आधार पर विषयों व कॉलेजों का आवंटन किया जाता है।

C.B.S.E. द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षाः–

(1) AIEEE (All India Engineering Entrance Examination)/JEE

प्रश्नपत्र	कोर्स	विषय	अवधि
I	बी.ई./बी.टेक	भौतिक विज्ञान, रसायनविज्ञान व गणित	3 घण्टे
II	बी.आर्क/ बी.प्लानिंग	भाग–1, गणित, भाग –2, अभिरुचि परीक्षा भाग–3 ड्राइंग परीक्षा	3 घण्टे

प्रवेश के लिये योग्यता :–जो अभ्यर्थी 10+2 में (12वीं कक्षा) की अंतिम परीक्षा या ऐसी समकक्ष परीक्षा में बैठ रहे हों, वे अस्थायी तौर पर AIEEE में शामिल हो सकते हैं, बशर्ते कि वे परामर्श (काउंसलिंग) के लिये उपस्थित होने के समय विनिर्दिष्ट पात्रता शर्तों को पूरा करते हों। इस परीक्षा हेतु लगातार वर्षों में एक समान रूप से 03 (तीन) अवसर मिलते हैं।

संस्थान –

IIT खड़गपुर– http://www.iitkgp:ernet.in/jee
IIT कानपुर– http://www. iitk.ac.in
IIT गुवाहाटी– http://www.iitg.ernet.in/jee
IIT रूड़की– http://www.rurkiv.ernet.in/jee
IIT दिल्ली– http://www.iitd.ernet.in/jee
IIT मुम्बई– http://www.iitb.ac.in/jee

साथ ही पटना, वाराणसी, इंदौर, जोधपुर, भुवनेश्वर, गांधीनगर, हैदराबाद, मद्रास, रोपड़, मण्डी आदि के IIT संस्थान।

Website : www.jeemain.nic.in / Website : www.cbse.nic.in

(2) IIT (Indian Institute of Technology) प्रवेश परीक्षा (JEE)

भारतीय तकनीकी संस्थानों (IIT) में प्रवेश जोईन्ट एन्ट्रेन्स एक्जॉम (JEE) के द्वारा दिया जाता है। कक्षा 12वीं में 60 प्रतिशत अंकों से (ST/SC हेतु 55 प्रतिशत) उत्तीर्ण विद्यार्थी इसमें बैठने हेतु पात्र हैं। इस परीक्षा में बैठने हेतु सीमित अवसर ही उपलब्ध होते हैं। आवेदन पत्र अधिकृत बैंक की विभिन्न शाखाओं से प्राप्त किए जा सकते हैं। प्रवेश परीक्षा माह अप्रेल में आयोजित की जाती है।

सम्पर्क सूत्र –

The chairman,
Joint entrance examination
Indian Institute of Technology Bombay
Mumbai – 400076
Website : http: iijee.iitb.ac.in

राजस्थान प्री–इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा (Rajasthan Pre Engineering Test)

शैक्षिक योग्यता :– 10+2 (विज्ञान) में 45% सामान्य वर्ग तथा 40% आरक्षित वर्ग माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान से अथवा अन्य कोई समकक्ष योग्यता जो की माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान द्वारा मान्यता प्राप्त हो, उत्तीर्ण की हो।

अनिवार्य विषय : – भौतिकी, गणित तथा निम्न मे सें कोई एक विषय –

1 रसायन विज्ञान 2. जैव तकनीक 3. कम्प्यूटर विज्ञान 4. जीव विज्ञान

परीक्षा प्रणाली :– 120 प्रश्न (40 रसायन विज्ञान, 40 भौतिक विज्ञान तथा 40 गणित) प्रवेश हेतु आवेदन मार्च/अप्रेल में उपलब्ध होते हैं एवं प्रवेश परीक्षा मई/जून में आयोजित की जाती है।

वेबसाइट :– http/techedu.rajsthan.gov.in

www.rpetexam.com

RPET प्रवेश परीक्षा में चयन के पश्चात् छात्र/छात्राएँ अपनी रुचि व मेरिट के अनुसार इंजीनियरिंग की निम्न शाखाओं में से किसी एक में प्रवेश ले सकते हैं :–

1 एयरोनोटिकल इंजीनियरिंग
2. एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग
3. बायोमेडिकल इंजीनियरिंग
4. सेरेमिक इंजीनियरिंग
5 सिविल इंजीनियरिंग
6 केमिकल इंजीनियरिंग
7 कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग
8 इलेक्ट्रीकल इंजीनियरिंग
9. पर्यावरणीय इंजीनियरिंग
10 इंडस्ट्रीयल इंजीनियरिंग
11 इन्सट्रूमेन्टेशन इंजीनियरिंग
12 मरीन इंजीनियरिंग
13. मेटलर्जीकल इंजीनियरिंग
14 मैकेनिकल इंजीनियरिंग
15. माईनिंग इंजीनियरिंग
16 प्रोडक्शन इंजीनियरिंग
17 ट्रांस्पोर्टेशन इंजीनियरिंग
18 ऑटोमेशन एण्ड रोबोटिक्स
19 फूड टेक्नोलोजी
20 इन्फोरमेशन टेक्नोलोजी
21 लेदर टेक्नोलोजी
22 बायोटेक्नोलोजी
23 प्रिंटिग टेक्नोलोजी
24 शुगर टेक्नोलोजी
25 पल्प एण्ड पेपर टेक्नोलोजी
26 ऑटोमोबाईल इंजीनियरिंग
27 मेटेरियल साइंस एण्ड टेक्नोलोजी
28 पॉलीमर साइंस एण्ड रबर टेक्नोलोजी
29 टैक्सटाइल इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलोजी
30 एप्लाईड इलेक्ट्रोनिक्स एण्ड इंस्ट्रूमेन्टेशन
31 इलेक्ट्रोनिक्स एण्ड कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग

रोजगार के अवसर–विद्यार्थियों ने जिस ब्रांच में यह कोर्स किया है, वे विदेशों में या भारत में सरकारी विभागों/उपक्रमों/कारखानों/औद्योगिक क्षेत्रों/निजी कम्पनियों में अभियन्ता के पद पर नियुक्ति पा सकते हैं अथवा स्वयं का उद्योग स्थापित कर सकते हैं।

B. इंजीनियरिंग में डिप्लोमा

यह कोर्स 3 वर्ष का होता है। इसके लिए छात्र/छात्राओं को सैकण्डरी/सीनियर सैकण्डरी कक्षा विज्ञान मय गणित विषय से उत्तीर्ण होना चाहिए। इसका चयन मेरिट के आधार पर किया जाता है। साथ ही 10+2 विज्ञान मय गणित विषय में 60% अंकों से उत्तीर्ण विद्यार्थियों को द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश मिलता है। इसमें भी कई विषय होते हैं। विद्यार्थी अपनी रुचि के अनुसार निम्न विषय चुन सकते हैं: –

1. Electronic Engineering
2. Chemical Engineering
3. Civil Engineering
4. Electrical Engineering
5. Information Technology
6. Textile Engineering
7. Mechanical Engineering
8. Automobile Engineering

संस्थानः–राजस्थान के राजकीय और निजी पॉलीटेक्निक संस्थानों से उक्त डिप्लोमा किया जा सकता है। राजस्थान विद्यापीठ (डीम्ड) विश्वविद्यालय उदयपुर तथा विद्याभवन रूरल इंस्टीट्यूट उदयपुर द्वारा भी डिप्लोमा कोर्स संचालित होता है।

रोजगार के अवसर–

इस कोर्स को करने के पश्चात् छात्र/छात्राओं को भारत सरकार/राज्य सरकार/निजी कम्पनियाँ/औद्योगिक क्षेत्र में कनिष्ठ अभियन्ता के पद पर नियुक्ति के अवसर प्राप्त होते हैं।

फूड टेक्नोलोजी

फूड टेक्नोलोजी में खाद्य पदार्थों के जैव रासायनिक विश्लेषण के साथ उनको सुरक्षित रखने की विभिन्न विधियों की जानकारी दी जाती है। इसमें खाद्य पदार्थों की पैकिंग, डी–हाईड्रेशन, फ्रीजिंग एवं खमीरीकरण की तकनीकों को सिखाया जाता है।

पाठ्यक्रम :– फूड टेक्नोलोजी में सर्टिफिकेट

फूड टेक्नोलोजी में डिप्लोमा

फूड टेक्नोलोजी में उपाधि

अवधि :– 2 वर्ष/4 वर्ष

योग्यता :– 10वीं कक्षा उत्तीर्ण/10+2

निम्न संस्थानों से फूड टेक्नोलोजी के विभिन्न सर्टिफिकेट डिप्लोमा अथवा उपाधि पाठ्यक्रम किए जा सकते हैं:–

1. आई.आई.टी., खड़गपुर।
2. पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, चंडीगढ़।
3. महर्षि दयानन्द सरस्वती यूनिवर्सिटी, अजमेर।
4. कॉलेज ऑफ डेयरी एण्ड फूड साइंस टेक्नोलोजी, उदयपुर।
5. कॉलेज ऑफ टेक्नोलोजी एण्ड एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग, उदयपुर।
6. फूड न्यूट्रीशन एण्ड डाइट थैरेपी, श्री वेंकटश्वरा विश्वविद्यालय, तिरूपति।
7. पब्लिक हैल्थ न्यूट्रीशन इंस्टीट्यूट ऑफ होम इकोनोमिक्स, नई दिल्ली।
8. अविनाशलिंगम् इंस्टीट्यूट फॉर होम साइंस एण्ड हायर एजुकेशन फॉर वूमन, कोयम्बटूर।

रोजगार के अवसर–फूड टेक्नोलोजी पाठ्यक्रम पूरा करने पर होटल एवं रेस्टोरेंट, फूड कम्पनी, आइसक्रीम फेक्ट्री, पोल्ट्री फार्म तथा फल संरक्षण में रोजगार प्राप्त कर सकते हैं।

फूड एण्ड न्यूट्रीशन

आजकल कई खाद्य उत्पादक कम्पनियों, अस्पतालों, हैल्थ क्लब, स्पोटर्स क्लब, फ्लाइट, आदि में आहार विशेषज्ञ नियुक्त किए जाते हैं। जो खाद्य पदार्थ की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देते हैं। इसमें भी कॅरियर बनाया जा सकता हैः–

योग्यता :–10+2 विज्ञान विषय से।

पाठ्यक्रम :–

(1) बी.एससी. फूड साइंसेस (B.Sc. F.Sc.)
(2) बी.एससी. फूड एण्ड न्यूट्रीशन (B.Sc. F.&N.)
(3) सर्टिफिकेट कोर्स इन न्यूट्रीशन/हैल्थ
(4) बी.एससी. फूड टेक्नोलोजी

संस्थान :–

– गृहविज्ञान महाविद्यालय, महाराणा प्रताप कृषि वि.वि., उदयपुर।
– डिपार्टमेन्ट ऑफ होम साइंस, नागपुर यूनिवर्सिटी, नागपुर।
– डिपार्टमेन्ट ऑफ होम साइंस, एम.एस. यूनिवर्सिटी, बड़ौदा।
– पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, चंडीगढ़।

Nutrition & Dieteics Institutes

1. Osmania University, Haiderabad
2. University of Delhi, Delhi
3. University of mysore, Mysore
4. University of Bombay, Mumbay
5. Gurunanak dev University, Amritsar
6. Sir Ramachandra medical College & Research institute, Chennai

रोजगार के अवसर–फूड टेक्नोलोजी डिग्रीधारी युवकों को होटल, अस्पताल डिस्टीलरीज, सॉफ्ट ड्रिंक मैन्यूफेक्चरिंग आदि क्षेत्रों में रोजगार मिल सकता है।

एयर ट्राफिक कन्ट्रोलर

वायुमार्ग को नियन्त्रित करने तथा वायुयानों की परिवहन व्यवस्था का दायित्व एयर ट्राफिक कन्ट्रोलर का होता है जो ट्राफिक पुलिस या नियन्त्रक के समान कार्य करते हैं। ये ट्राफिक कन्ट्रोलर ही समस्त वायु परिवहन व्यवस्था को संचालित करते हैं और वायुयानों का परिचालन निर्धारित करते हैं। ये अधिकारी भारतीय विमान पत्तन प्राधिकरण के अन्तर्गत कार्य करते हैं। इनका कार्य अत्यन्त सावधानी वाला होता है, क्योंकि जरा सी असावधानी भयंकर दुर्घटना को जन्म दे सकती है।

योग्यताएँ :– इस कार्य के लिए ऐसे व्यक्तियों का चयन किया जाता है, जो शारीरिक, मानसिक, तार्किक, बौद्विक रूप से सक्षम होने के साथ–साथ अपेक्षित शैक्षिक व तकनीकी योग्यता रखते हों। उनमें तुरन्त निर्णय लेने की पर्याप्त क्षमता हो तथा अंग्रेजी भाषा का ज्ञान अच्छा हो ताकि आवश्यकता पड़ने पर वायुयान के पायलेट को जरूरी निर्देश दे सके।

कोर्स :– B.E. /B.Tech. (इलेक्ट्रोनिक्स, टेलीकम्यूनिकेशन एंड रेडियो इंजीनियरिंग)

शैक्षिक योग्यता :– कॉमर्शियल पायलेट का लाइसेन्स एवं भौतिक, गणित विषयों में स्नातक 60 प्रतिशत अंकों सहित।

आयु:– 20 से 23 वर्ष

प्रवेश परीक्षा :– अखिल भारतीय स्तर पर लिखित परीक्षा आयोजित की जाती है। गणित, भौतिकी, एयर नेविगेशन, एयर रेग्यूलेशन, एयर मेट्रोलोजी, एयरक्राफ्ट आदि से संबंधित प्रश्न पूछे जाते हैं।

स्वास्थ्य परीक्षण :– शारीरिक रूप से स्वस्थ एवं किसी भी दृष्टिदोष या रंग दोष से मुक्त हो।

प्रशिक्षण एवं संपर्क संस्थान :–

1. बंगाल इंजीनियरिंग एण्ड साइंस यूनिवर्सिटी, हावड़ा (प. बंगाल)
2. फ्लाइंग बर्ड्स एविएशन, अहमदाबाद।
3. नुजूम एविएशन प्रा.लि., जयनगर, बेंगलुरू।
4. ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ एयरोनोटिक्स, लखनऊ।

एविएशन मैनेजमेन्ट

एविएशन मैनेजमेन्ट के अन्तर्गत विभिन्न प्रकार के कोर्सेज चलते हैं। इन कोर्स को करने के बाद एयरपोर्ट अथवा किसी भी एविएशन कम्पनी में रोजगार प्राप्त कर सकते हैं।

कोर्स :–

1. एयरपोर्ट मैनेजमेन्ट
2. एयरलाइन मैनेजमेन्ट
3. इमरजेन्सी प्लानिंग
4. एयरपोर्ट प्लानिंग
5. एयरलाइन केयर्स
6. ई–टिकटिंग

योग्यता:–10+2 या स्नातक

संस्थान:–

1. शाह साहिब ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट, भोपाल।
2. सेन्टर फोर सिविल एविएशन ट्रेनिंग, नई दिल्ली।
3. ऑल इण्डिया इंस्टीट्यूट ऑफ एयरोनोटिक्स, पटना।

- दिल्ली एयरपोर्ट ऑथोरिटी द्वारा एयरपोर्ट जॉब्स के लिए लिखित परीक्षा और साक्षात्कार लिया जाता है।

रोजगार के अवसर–इस क्षेत्र में रिजर्वेशन एण्ड टिकटिंग एजेन्ट, मीडिया रिलेशन एक्जीक्यूटिव, ड्यूटी मैनेजर, कस्टमर सपोर्ट असिस्टेंट आदि प्रमुख पद होते हैं।

आर्किटेक्चर में कॅरियर

परिचय :–रोजाना नए निर्माण कार्यों और उनमें उत्तरोत्तर वृद्धि के साथ ही आर्किटेक्चर्स की मांग भी बढ़ने लगी है। छोटे शहरों में भी लोग अपना मकान बनाने के लिए आर्किटेक्ट की सेवाएँ लेना उचित समझने लगे हैं, ताकि उनके सीमित स्थान का ज्यादा से ज्यादा उपयोग हो सके तथा मकान आधुनिक ढंग से भव्य और मनमोहक बन सके।

पाठ्यक्रम :– आर्किटेक्चर में डिग्री अथवा डिप्लोमा

योग्यता:–10+2 उत्तीर्ण (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान एवं गणित में 60 प्रतिशत अंक)

चयन प्रक्रिया :– प्रवेश परीक्षा

प्रशिक्षण संस्थान :–

1. आयोजन स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर, जयपुर।
2. स्कूल ऑफ प्लानिंग एण्ड आर्किटेक्चर, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट नई दिल्ली।
3. मालवीय रीजनल इंजीनियरिंग कॉलेज, जयपुर।
4. रूड़की विश्वविद्यालय, रूड़की।
5. चंडीगढ़ कॉलेज ऑफ आर्किटेक्चर, चंडीगढ़।
6. बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी।
7. मुम्बई विश्वविद्यालय, मुम्बई।

पायलेट

आज संसार भर में लाखों यात्री हवाई यात्रा द्वारा एक–दूसरे स्थानों पर आते जाते हैं। दिन प्रतिदिन यात्री दबाव के चलते आज कई निजी कम्पनियाँ भी हवाई सेवाएँ देने लगी हैं। जो युवा उड्डयन क्षेत्र में कॅरियर बनाने के इच्छुक हैं, वे पायलेट के रूप में एक उच्च प्रतिष्ठित, अच्छे लाभ और वेतन भत्तों वाली नौकरी कर सकते हैं।

योग्यताएँ :–10+2 (भौतिक विज्ञान व गणित)
आयु सीमा :–न्यूनतम 17 वर्ष
लम्बाई :– 5 फीट 5 इंच

नेत्रदृष्टि :– 6/6

अभ्यर्थी के मस्तिष्क एवं शारीरिक अंगों में उचित ताल–मेल एवं समन्वय हो, हर परिस्थिति में पूर्ण शान्त, संयमी, आत्म–विश्वास, आत्म–नियंत्रण एवं व्यवहारिक सूझ–बूझ होना अपेक्षित है।

चयन प्रक्रिया :–

पायलेट बनने से पूर्व तीन प्रकार के लाइसेंस लेने जरूरी होते हैं –

1. स्टूडेन्ट पायलेट लाइसेंस
2. प्राइवेट पायलेट लाइसेंस
3. व्यावसायिक पायलेट लाइसेंस

संस्थान :–

1. गुजरात फ्लाइंग क्लब, सिविल एरोड्रम, बड़ौदा।
2. अमेरिकन फ्लायर्स प्रा. लि. गोरेगांव, मुम्बई।
3. ओरिएन्ट फ्लाइट स्कूल, चैन्नई।
4. नुजूम एविएशन प्रा.लि., जयनगर, बेंगलुरू।
5. फ्लाई हाई एविएशन प्रा.लि., दिल्ली।
6. ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ एयरोनोटिक्स, लखनऊ।
7. राजीव गांधी मेमोरियल कॉलेज ऑफ एयरोनोटिक्स, जयपुर।

चिकित्सा क्षेत्र प्रवेश परीक्षाएँ

किसी भी विद्यार्थी को अपने जीवन को सफल, सुखी एवं सम्पन्न बनाने के लिए एक ऐसा व्यवसाय चुनना होता है, जिससे उसे मानसिक संतुष्टि भी मिल सके और अपने तथा परिवार का भरण पोषण भी सम्मानजनक तरीके से कर सके। वे विद्यार्थी जिन्होंने अपनी रुचि को ध्यान में रखते हुए 10+2 में विज्ञान के साथ जीव विज्ञान विषय का चयन किया है उनके लिए कॅरियर के अनेक क्षेत्र हैं, जिनमें वह अपने उज्ज्वल भविष्य की तलाश कर सकता है।

एलोपैथिक चिकित्सा :– इस पद को प्राप्त करने के लिए M.B.B.S. (बेचलर ऑफ मेडिसिन एण्ड बेचलर ऑफ सर्जरी) की डिग्री लेनी पड़ती है। इसके लिए प्रवेश परीक्षा निम्नलिखित प्रकार से होती है।

1. RPMT - राज्य स्तर पर
2. AIPMT/CPMT - राष्ट्रीय स्तर

प्रवेश योग्यता:– 10+2 परीक्षा में जीव विज्ञान, भौतिकी एवं रसायन विज्ञान में 50 प्रतिशत अंक। PMT में प्राप्त अंकों की मेरिट के आधार पर चयन होता है और विद्यार्थी M.B.B.S. की डिग्री प्राप्त कर एलोपैथिक चिकित्सक बन सकता है। राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित प्रवेश परीक्षा (AIPMT/CPMT) के माध्यम से देश के राजकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में प्रवेश दिया जाता है।

संस्थान:–
1. राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, जयपुर।
2. महात्मा गांधी नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस, जयपुर।
3. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली।
4. जवाहर लाल नेहरू इंस्टीट्यूट ऑफ पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन एण्ड रिसर्च, पाण्डीचेरी।

दन्त चिकित्सा

पाठ्यक्रम :– B.D.S. – (बेचलर ऑफ डेन्टल सर्जरी)

P.M.T. में M.B.B.S. की डिग्री के लिए सीटें पूर्ण हो जाने पर बाकी के विद्यार्थियों का चयन पुनः आगे की मेरिट के आधार बी.डी.एस. के लिए होता है और विद्यार्थी दन्त चिकित्सक बन कर अपनी सेवाएं दे सकता है। बी.डी.एस. की डिग्री M.B.B.S. के समकक्ष ही होती है।

संस्थान :– 1. राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, जयपुर।

2. महात्मा गांधी नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डेन्टल साइंस, जयपुर।

3. निम्स डेन्टल कॉलेज, जयपुर।

बहरे व गूंगों की चिकित्सा

ये संस्थाएँ बहरे एवं गूंगे व्यक्तियों की चिकित्सा के लिए चिकित्सक तैयार करती हैं।

अवधि :– 3 वर्ष

योग्यता :– 10+2 उत्तीर्ण (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान एवं जीव विज्ञान)

संस्थान :–

1. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली।

2. कस्तूरबा मेडिकल कॉलेज, मणीपाल कर्नाटक।

रोजगार के अवसरः–

राजकीय एवं निजी क्षेत्र में रोजगार प्राप्त कर अथवा स्वयं का सहायता या परामर्श केन्द्र स्थापित कर सेवाएं प्रदान की जा सकती हैं।

आयुर्वेद चिकित्सा

वर्तमान समय में आयुर्वेद का प्रचार–प्रसार बहुत तेजी से हो रहा है क्योंकि आयुर्वेद चिकित्सा निरापद (NO SIDE EFFECTS) चिकित्सा पद्वति है। इसमें जड़ी बूटियों द्वारा इलाज किया जाता है। इस चिकित्सा की एक विशेषता यह भी है कि यह चिकित्सा के साथ–साथ एक सम्पूर्ण जीवन जीने की कला भी सिखाती है आयुर्वेद चिकित्सक बनने के लिए आयुर्वेद विश्वविद्यालय जोधपुर द्वारा आयोजित PAT (Pre ayurvedic Test) प्रवेश परीक्षा पास करनी होती है।

पाठ्यक्रमः– (बेचलर ऑफ आयुर्वेदिक मेडिसिन एण्ड सर्जरी)

योग्यताः– 10+2 (जीव विज्ञान, भौतिक एवं रसायन विज्ञान में 50 प्रतिशत अंक)

PAT में मेरिट के आधार पर चयन होता है और विद्यार्थी B.A.M.S. की डिग्री प्राप्त कर आयुर्वेदिक चिकित्सक बन सकता है। इस चिकित्सा पद्वति के **अध्ययन केन्द्र** राजस्थान में निम्नलिखित हैं –

1. डॉ. एस. राधाकृष्णन आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर।
2. मदनमोहन मालवीय राजकी.य आयुर्वेद महाविद्यालय, उदयपुर।
3. श्री भंवरलाल दुग्गड़ आयुर्वेद विश्वभारती गांधी विद्या मन्दिर, सरदार शहर।
4. राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर।

रोजगार के अवसर :– आयुर्वेद के क्षेत्र में भारत सरकार के राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के तहत राजस्थान सरकार द्वारा पी.एच.सी. पर एक आयुर्वेद चिकित्सक का पद स्वीकृत है। राजस्थान में कई आयुर्वेद औषधालय वर्तमान में कार्यशील हैं।

होम्योपैथी चिकित्सा

आज होम्योपैथी चिकित्सा के प्रति लोगों का नजरिया बदल रहा है। धीरे–धीरे यह चिकित्सा पद्धति लोकप्रिय हो रही है। इसके द्वारा असाध्य रोगों का उपचार भी संभव है, जो कि एलोपैथिक दवाओं द्वारा लाखों रू. खर्च करने के पश्चात् भी संभव नहीं हो पाता। होम्योपैथिक चिकित्सक के रूप में कॅरियर अपनाने के लिए होम्योपैथी चिकित्सा पाठ्यक्रम करना अनिवार्य है।

1. बेचलर ऑफ होम्योपैथिक मेडिसिन एण्ड सर्जरी (BHMS)

अवधि :– 5 वर्ष, इन्टर्नशिप 6 माह
योग्यता :– 10+2 जीव विज्ञान के साथ
आयु :– न्यूनतम 17 वर्ष

2. डिप्लोमा इन होम्योपैथिक मेडिसिन एण्ड सर्जरी (DHMS)

अवधि :– 4 वर्ष, इन्टर्नशिप 6 माह
योग्यता :– 10+2 जीव विज्ञान से
आयु :– न्यूनतम 17 वर्ष

विशेष–जो आवेदक डी.एच.एम.एस. पाठ्यक्रम के उपरान्त बी.एच.एम.एस. पाठ्यक्रम करना चाहते हैं उसके लिए पाठ्यक्रम की अवधि केवल दो वर्ष है।

प्रशिक्षण संस्थान :–

1. भारतीय होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पीटल, भरतपुर।
2. डॉ.मदन प्रताप खूंटेटा राजस्थान होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज, सिन्धी कैम्प जयपुर।
3. मांगीलाल निर्बन होम्योपैथिक मेडिकल एण्ड रिसर्च इंस्टीटयूट, बीकानेर।
4. राजस्थान विद्यापीठ होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज, डबोक उदयपुर।
5. स्वास्थ्य कल्याण होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एण्ड रिसर्च सेन्टर, जय विला, नारायण सिंह रोड जयपुर।
6. युवराज प्रतापसिंह मेमोरियल होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज, अलवर।

रोजगार के अवसर–

राजकीय एवं निजी चिकित्सालय में होम्योपैथिक चिकित्सक बनकर सेवाएँ दी जा सकती है। स्वयं का क्लीनिक लगाकर स्व–रोजगार प्रारंभ किया जा सकता है।

यूनानी चिकित्सा

पाठ्यक्रम :– B.U.M.S. (बेचलर इन यूनानी मेडिसिन एवं सर्जरी)

अवधि :– (सैकण्डरी स्तर हेतु 7 वर्ष, 6 माह)

(10+2 वाले विद्यार्थियों हेतु 5 वर्ष 6 माह)

प्रवेश योग्यता :– मैट्रिक/10+2

प्रवेश परीक्षा :– PAT/PHT/PUT/BNYS संयुक्त प्रवेश परीक्षा।

प्रवेश सूचना :– जून, जुलाई व अगस्त।

संस्थान :–

1. आयुर्वेदिक एवं यूनानी तिब्बिया कॉलेज, देहली विश्वविद्यालय, दिल्ली।
2. राजपूताना आयुर्वेदिक एवं यूनानी तिब्बी कॉलेज, चार दरवाजा, जयपुर।

अन्य राज्यों के यूनानी मेडिकल कॉलेजों हेतु इन्टरनेट से जानकारी ली जा सकती है।

रोजगार के अवसरः–राजकीय, निजी चिकित्सालय में चिकित्सक बन कर सेवाएँ दी जा सकती हैं। स्वयं का क्लिनिक प्रारम्भ कर किया जा सकता है।

प्राकृतिक चिकित्सा

कोर्स का नाम :– डिप्लोमा इन नेचुरोपैथी

आयु :– 18 वर्ष

शैक्षिक योग्यता :– 10+2 (जीव विज्ञान के साथ)

अवधिः– 3 वर्ष

संस्थान :– 1. गांधी नेशनल एकेडमी ऑफ नेचुरोपैथी, नई दिल्ली।

2. नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ नेचुरोपैथी, पुणे।

रोजगार के अवसरः–राजकीय एवं निजी क्षेत्र में चिकित्सकीय सेवा या स्वयं का क्लिनिक लगाया जा सकता है।

भौतिक चिकित्सा

रोगों के निदान एवं उपचार हेतु वर्तमान में अनेक प्रकार की चिकित्सा पद्धतियों का उपयोग किया जा रहा है। इनमें से भौतिक चिकित्सा पद्धति भी एक है। भौतिक चिकित्सा विज्ञान की वह शाखा है जिसमें भौतिक कारकों जैसे–उष्मा, विद्युत, जल, मालिश, व्यायाम इत्यादि के उपयोग से रोगों का इलाज किया जाता है।

पाठ्यक्रम :– अनेक विश्वविद्यालयों एवं चिकित्सा संस्थानों में त्रिवर्षीय स्नातक एवं दो वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित हैं, जो इस प्रकार हैं:–

1. शरीर रचना विज्ञान 2. शरीर क्रिया विज्ञान 3. विकलांग विज्ञान

4. तंत्रिका विज्ञान 5. शल्य चिकित्सा विज्ञान 6. भौतिक चिकित्सा

योग्यता :–

1. 10+2 (भौतिक, रसायन, जीव विज्ञान व अंग्रेजी के साथ 50 प्रतिशत अंक तथा आरक्षित वर्ग हेतु 40 प्रतिशत)

आयु :– प्रवेश वर्ष के 1 अक्टूबर को 17 से 22 वर्ष के मध्य।

अनु.जाति/अनु.जनजातियों को आयु में नियमानुसार छूट।

प्रवेश हेतु विज्ञापन–माह फरवरी/मार्च में विज्ञापन निकलता है तथा परीक्षाएँ मई में आयोजित की जाती हैं।

संस्थान :– डिप्लोमा एवं स्नातक पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष में प्रवेश हेतु भारतीय पुनर्वास परिषद् द्वारा संयुक्त प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाती है। स्नातक पाठ्यक्रम निम्न संस्थानों द्वारा भी चलाया जाता है :–

1. एस.एम.एस. मेडिकल कॉलेज, जयपुर।
2. राजकीय फिजियोथैरेपी महाविद्यालय, जोधपुर।
3. शारीरिक अक्षमता संस्थान, विष्णु दिगम्बर मार्ग, नई दिल्ली।
4. स्कूल ऑफ फिजियोथैरेपी के.ई.एम. हॉस्पिटल, मुम्बई।
5. ऑक्यूपेशनल थैरेपी ट्रेनिंग स्कूल सर डी.बी. ऑर्थोपेडिक सेन्टर, मुम्बई।
6. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली।

रोजगार के अवसर :–

1. भौतिक चिकित्सक बनकर राजकीय चिकित्सा सेवा में जा सकते हैं।
2. स्वयं का क्लिनिक प्रारम्भ कर सकते हैं।
3. इसमें काम आने वाले उपकरणों का उद्योग लगाकर।
4. विशिष्ट चिकित्सालय आरम्भ कर सकते हैं।
5. निजी चिकित्सालयों, निजी संस्थानों एवं प्रशिक्षण देने वाले संस्थानों में रोजगार के अवसर।

रिहेबिलिटेशन थैरेपी

(मंद बुद्धि बालकों की देखभाल हेतु किया जाने वाला पाठ्यक्रम)

अवधि :– 3 वर्ष 6 माह

योग्यता :– 10+2 (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान एवं जीव विज्ञान)

संस्थान :– 1. राजस्थान विद्यापीठ (डीम्ड) विश्वविद्यालय, उदयपुर।

2. राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, जयपुर।

3. नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर रिहेबिलिटेशन ट्रेनिंग एण्ड रिसर्च, कटक।

प्रोस्थेटिक व ऑर्थोटिक थैरेपी

अवधि :– 2/4 वर्ष

योग्यता :– 10+2 (भौतिक, रसायन विज्ञान एवं जीव विज्ञान)

संस्थान :–1. राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, जयपुर।

2. इंस्टीट्यूट फॉर फिजिकली हेण्डीकेप्ट, नई दिल्ली।

3. नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर आर्थोपेडिक्ली हैण्डीकेप्ट, हुगली कोलकाता।

डिप्लोमा इन रेडियोग्राफी

अवधि :–2 वर्ष

योग्यता:–मैट्रिक

आयु:–17 से 25 वर्ष

प्रवेश:–लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार

संस्थान:–

1. राजस्थान के समस्त मेडिकल कॉलेजों से यह कोर्स किया जा सकता है।
2. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी रोड, नई दिल्ली।
3. मोहन दाई ओसवाल कैंसर उपचार एवं अनुसंधान, शेरपुर लुधियाना।
4. इंस्टीट्यूट फॉर फिजिकल हेल्थ एण्ड हाईजीन, महिपालपुर नई दिल्ली।

फार्मेसी में कॅरियर

विभिन्न प्रकार के रोगों के उपचार से सम्बन्धित दवाईयों के विक्रय एवं वितरण से सम्बन्धित कार्य फार्मासिस्ट द्वारा किया जाता है। इसमें रोजगार के कई अवसर उपलब्ध हैं।

पाठ्यक्रम :— बेचलर ऑफ फार्मेसी

योग्यताः— 10+2 विज्ञान विषय सहित
(रसायन, भौतिक के साथ गणित, जैव प्रौद्योगिकी, जीव विज्ञान)

आयुः— न्यूनतम 17 वर्ष

प्रवेशः— प्रवेश परीक्षा/मेरिट के आधार पर।

संस्थानः —

1. भूपाल नोबल्स कॉलेज ऑफ फार्मेसी, उदयपुर।
2. बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलोजी एण्ड साइंस, पिलानी।
3. राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, जयपुर।
4. राजस्थान के अन्य विश्वविद्यालय।

रोजगार के अवसर :— सरकारी क्षेत्र एवं निजी क्षेत्र में फार्मासिस्ट को रोजगार के कई अवसर उपलब्ध होते हैं। दवाई उत्पादन, उसके प्रचार प्रसार (एम.आर.), विक्रय आदि क्षेत्र इससे सम्बन्धित हैं।

वेटनरी चिकित्सा

भारत एक कृषि प्रधान देश है। यहाँ कृषि के साथ–साथ पशुपालन भी किया जाता है जो आर्थिक दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण है। इन पशुओं को रोग मुक्त रखने एवं उपचार हेतु पशु चिकित्सक की आवश्यकता होती है। इस क्षेत्र में निम्न प्रकार से कॅरियर बनाया जा सकता है।

1. बी.वी.एससी.

योग्यताः 10+2 (विज्ञान विषय) 50% अंकों के साथ

अवधिः 5 वर्ष (राष्ट्रीय व राज्य स्तरीय प्रवेश परीक्षा)

2. बी.एससी. (डेयरी उद्योग)

योग्यताः 10+2

अवधिः 4 वर्ष

संस्थान

1. कॉलेज ऑफ वेटनरी एण्ड एनिमल साइंस कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर।
2. कॉलेज ऑफ डेयरी साइन्स महाराणा प्रताप साइन्स एण्ड टेक्नोलोजी यूनिवर्सिटी, उदयपुर।
3. महात्मा गांधी वेटनरी कॉलेज, भरतपुर।
4. चन्द्रशेखर आजाद यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर एण्ड टेक्नोलोजी, कानपुर।

रोजगार के अवसर

1. विभिन्न राजकीय, निजी तथा सहकारी संस्थाओं और चिकित्सालयों में रोजगार के कई अवसर उपलब्ध होते हैं।
2. पशु चिकित्सक स्वयं का दवाखाना संचालित कर इस क्षेत्र में आजीविका कमा सकते हैं।

दन्त तकनीशियन

दन्त तकनीशियन का काम दाँतों और दन्त उपकरणों का निर्माण तथा उनकी मरम्मत करना है। यह कृत्रिम दाँतों का निर्माण व मरम्मत विकल दन्त विज्ञान व अन्य उपकरण दाँतों को भरने के कार्य से संबंध रखता है। अतः इस क्षेत्र में भी कॅरियर के कई अवसर होते हैं।

अवधिः—दन्त तकनीशियन (दो वर्षीय)

दन्त तकनीशियनों को पुनः 14 माह का दन्त शिल्पकार का प्रशिक्षण भी दिया जाता है।

योग्यता :— 10+2 (विज्ञान सहित) या समकक्ष

आयु :—प्रत्याशी की आयु 17 वर्ष अवश्य होनी चाहिए तथा शारीरिक रूप से स्वस्थ्य होना चाहिए। विस्तृत जानकारी शैक्षणिक सत्र के आरंभ होने के समय के बारे में विभिन्न दन्त महाविद्यालयों से प्राप्त की जा सकती है।

संस्थानः—

1. दर्शन डेन्टल कॉलेज लोयरा, उदयपुर।
2. पेसिफिक डेन्टल कॉलेज देबारी, उदयपुर।
3. केरल विश्वविद्यालय, त्रिवेन्द्रम।
4. दन्त महाविद्यालय एवं चिकित्सालय के.जी. मेडिकल कॉलेज लखनऊ।
5. सरकारी दन्त महाविद्यालय एवं चिकित्सालय, गुरूनानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर।
6. सरकारी दन्त कॉलेज हॉस्पीटल, न्यू सिविल चिकित्सालय परिसर, अहमदाबाद।
7. गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद।

नर्स ट्रेनिंग

परिचय :– नर्सिंग एक ऐसा कॅरियर है, जिसमें व्यक्ति अपने सेवाभाव व नैतिक गुणों के बल पर अपनी जीविका चला सकता है। इस कॅरियर को लड़के व लड़कियाँ दोनो अपना सकते हैं।

नर्सिंग ट्रेनिंग के मुख्य चार पाठ्यक्रम :–

1. सामान्य नर्सिंग (A.N.M.- 10वीं उत्तीर्ण)
2. सामान्य नर्सिंग (G.N.M.- 10+2 उत्तीर्ण)
3. प्रसूति विद्या पाठ्यक्रम
4. (बी.एससी.) नर्सिंग (10+2 उत्तीर्ण)

आयु सीमा :– 16 से 20 वर्ष (आरक्षित वर्गों के लिए नियमानुसार)

प्रवेश :– निदेशालय, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण सेवाएँ, जयपुर राजस्थान द्वारा नर्सिंग ट्रेनिंग में प्रवेश मेरिट के आधार पर किया जाता है।

संस्थानः–

1. महात्मा गाँधी अस्पताल, जोधपुर।
2. राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, जयपुर।
3. देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर।
4. पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़।
5. गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद।
6. मोती लाल नेहरू अस्पताल, इलाहाबाद।
7. महात्मा गाँधी अस्पताल, शिमला।
8. इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, श्रीनगर।
9. ऑल इण्डिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, नई दिल्ली।

डिप्लोमा इन आयुष नर्सिंग एण्ड फार्मेसी

चिकित्सा की विभिन्न पद्धतियों को एक ही स्थान पर उपलब्ध कराकर रोगों के उपचार हेतु आयुष (AYUSH) नर्सिंग और फार्मेसी में डिप्लोमा किया जाता है।

पात्रताः 10+2 या समकक्ष

चयनः मेरिट प्रतिशत के आधार पर

आरक्षणः नियमानुसार

फीसः नियमानुसार

रोजगार के अवसरः

1. उक्त क्षेत्र में प्रशिक्षण प्राप्त विद्यार्थियों को विभिन्न राजकीय, निजी क्षेत्रों में रोजगार के अवसर उपलब्ध होते हैं।
2. स्वयं का क्लिनिक संचालित करके इस क्षेत्र में कॅरियर बनाया जा सकता है।

अध्यापन में कॅरियर

परिचयः–विद्यालयी शिक्षा एवं उच्च शिक्षा में शिक्षण कार्य करवाने के लिए उचित योग्यताधारी शिक्षकों की आवश्यकता होती है। इसके लिए निम्न प्रकार के अध्यापन पाठ्यक्रम संचालित किए जाते हैं–

1. N.T.T. (पूर्व प्राथमिक शिक्षक)

2. D.Ed./B.S.T.C./B.EL.Ed. (प्राथमिक शिक्षक)

3. B.Ed. (तृतीय श्रेणी/द्वितीय श्रेणी /प्रथम श्रेणी शिक्षक) (विशेष शिक्षा)

योग्यताः– 10+2 या समकक्ष (क्रम संख्या 1 व 2 हेतु)

स्नातक (क्रम संख्या 3 हेतु)

राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय अजमेर

पाठ्यक्रम M.Sc. इंटीग्रेटेड –5 वर्ष
M.Sc. B.Ed. इंटीग्रेटेड–6 वर्ष

योग्यताः 12वीं कक्षा उत्तीर्ण विज्ञान विषय प्रत्येक ऐच्छिक विषय में 50% अंक SC/ST/OBC/PWD के लिए 45% अंक

संस्थानः राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बांदर सिन्दरी, अजमेर।

वेबसाइटः www.curaj.ac.in

रोजगार अवसरः–उक्त योग्यताधारी व्यक्ति संबंधित विषय मे राज्य, केन्द्र, रेलवे, सेना कॉर्पोरेट तथा निजी शिक्षण संस्थानों में शिक्षण कार्य कर सकते हैं। स्वयं का ट्यूशन सेन्टर, कोचिंग सेन्टर या पुस्तक लेखन का कार्य कर सकते हैं। साथ ही गैर सरकारी संगठनों के साथ भी काम कर सकते हैं।

संस्थानः–शिक्षा विभाग राजस्थान व निजी संस्थान (N.T.T./-D.Ed./B.S.T.C./ B.EL.Ed) राज्य के समस्त विश्वविद्यालय (B.Ed., M.Phil., PH.D)

वेबसाइटः– www.rpsc.gov.in, www.rajshiksha.gov.in

RTET/CTET

(S.T.C.) उत्तीर्ण करने के बाद

(1) प्रथम स्तरः कक्षा प्रथम से कक्षा पांचवी तक।

(2) योग्यताः

न्यूनतम 50% अंकों के साथ उच्चतर माध्यमिक अथवा इसके समकक्ष तथा प्रारम्भिक शिक्षा के द्विवर्षीय डिप्लोमा।

अथवा

न्यूनतम 45% अंकों के साथ उच्चतर माध्यमिक अथवा इसके समकक्ष एवं प्रारम्भिक शिक्षा शास्त्र में द्विवर्षीय डिप्लोमा चाहे जिस किसी नाम से जाना जाता हो, जो राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् (मान्यता, मान्यदण्ड व क्रियाविधि) विनिमय 2002 के अनुसार प्राप्त किया गया हो।

अथवा

न्यूनतम 50% अंकों के साथ उच्चतर माध्यमिक अथवा इसके समकक्ष तथा शिक्षा शास्त्र (विशेष शिक्षा) में द्विवर्षीय डिप्लोमा।

अथवा

स्नातक तथा प्रारम्भिक शिक्षा में द्विवर्षीय डिप्लोमा।
(चाहे जिस किसी नाम से जाना जाता हो)

RTET/CTET

(बी.एड करने के बाद)

द्वितीय स्तरः कक्षा VI - VIII

योग्यताः स्नातक व प्रारम्भिक शिक्षा में द्विवर्षीय डिप्लोमा

(चाहे जिस किसी नाम से जाना जाता हो।)

अथवा

न्यूनतम 50% अंकों के साथ स्नातक एवं शिक्षा शास्त्र में एक वर्षीय स्नातक (बी.एड)

अथवा

न्यूनतम 45% अंकों के साथ स्नातक एवं शिक्षा शास्त्र में एक वर्षीय (बी.एड.) जो इस सम्बन्ध में समय–समय पर जारी किए गए राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् मान्यता, मानदण्ड तथा क्रियाविधि, विनियमों के अनुसार प्राप्त किया गया हो।

अथवा

न्यूनतम 50% अंकों के साथ उच्चतर माध्यमिक (अथवा समकक्ष) एवं 4 वर्षीय प्रारम्भिक शिक्षा शास्त्र में स्नातक (बी.इएल.एड.)

अथवा

न्यूनतम 50% अंकों के साथ उच्चतर माध्यमिक (या इसके समकक्ष) एवं 4 वर्षीय बी.ए./बी.एससी. बी.एड.

अथवा

न्यूनतम 50% अंकों के साथ स्नातक तथा एक वर्षीय बी.एड (विशेष शिक्षा)

वेबसाइट– rtet.bser.org से विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

पर्यटन क्षेत्र में कॅरियर

प्राचीन काल से ही भ्रमण करना मानव की सहज प्रवृति में से एक रही है और वर्तमान में इस प्रवृति ने रोजगार एवं व्यवसाय के लिए महती संभावनाएँ उत्पन्न की हैं।

कोर्सः– 1. डिप्लोमा इन टूरिज्म

2 एडवांस डिप्लोमा इन टूरिज्म स्टडीज

3. डिप्लोमा इन टूरिज्म स्टडीज

योग्यताः–कक्षा 12वीं उत्तीर्ण

संस्थानः–

1. इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रेवल एण्ड टूरिज्म मैनेजमेंट, ग्वालियर ।
2. दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।
3. जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर।
4. मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर।
5. मुम्बई विश्वविद्यालय, मुम्बई।

रोजगार के अवसरः–

पर्यटन उद्योग में कुछ लोकप्रिय क्षेत्र हैं जैसे एयरलाइंस एवं इससे संबंधित क्षेत्र, ट्रेवल एजेंट, रिजर्वेशन एजेंट, टूर ऑपरेटर, अन्तर्राष्ट्रीय टूर ऑपरेटर, ट्रेवल गाइड, पब्लिक रिलेशन ऑफिसर, भाषा विशेषज्ञ, इवेंट कॉर्डिनेटर, इवेंट मैनेजर, एडवेंचर टूरिज्म, व्हीकल सप्लायर, एडवेंचर टूरिज्म गाइड आदि।

आपदा प्रबन्धन

तेजी से बदलते मौसम चक्र और बढ़ रही प्राकृतिक आपदाओं के इस दौर में प्राकृतिक एवं मानवजन्य आपदाओं से जूझने की कुशल रणनीति बनाने का प्रबन्ध आपदा प्रबन्धन के अन्तर्गत किया जाता है।

कोर्स:– 1. डिजास्टर मैनेजमेंट में डिप्लोमा 2. डिजास्टर प्रबन्ध में अल्पावधि कोर्स
3. पब्लिक सेफ्टी व आपदा प्रबन्ध अल्पावधि कोर्स

योग्यता:–10+2 (विज्ञान के साथ उत्तीर्ण)

अवधि:–अधिकांश आपदा प्रबन्धन कोर्स 6 माह एवं एक वर्ष अवधि के हैं।

आपदा प्रबन्धन पाठ्यक्रम:–प्रत्येक वर्ष आने वाली विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं और बाढ़, भूकम्प, सूखा आदि से निपटने और उनके बाद पुनर्वास से संबंधित कार्य आपदा प्रबन्धन पाठ्यक्रम में पढ़ाये जाते हैं। इन पाठ्यक्रमों में प्रेक्टिकल के माध्यम से भी आपदाओं से निपटने का प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

देश के विभिन्न आपदाग्रस्त क्षेत्र का आंकलन, आपदा उपरान्त पुनर्वास में सहायता, आपदा के नकारात्मक प्रभावों को मानसिक एवं साइकोलोजिकल तरीकों से कम करने में योगदान देना, भविष्य में उन क्षेत्रों के बारे में आपदा व प्रबन्धन संबंधित सुझाव देना।

संस्थान:– 1. मुम्बई विश्वविद्यालय, मुम्बई।
2. नेशनल सिविल डिफेंस कॉलेज, नागपुर।
3. इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।
4. नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजास्टर मैनेजमेन्ट, नई दिल्ली।

रोजगार के अवसर:– रोजगार के लिए किसी एन.जी.ओ, शासकीय आपदा सेल, अनुबंध आधारित पुनर्वास के सहयोग, प्रमुख अन्तर्राष्ट्रीय संगठन जैसे रेडक्रॉस आदि में कार्य करने के साथ आपदा शिक्षण और विदेशों में आपदा से जुड़ी एजेंसियों के साथ कार्य करने के अच्छे अवसर उपलब्ध हैं।

भाषा–विज्ञान

इन दिनों तेजी से बदलते विश्व परिदृश्य और सूचना प्रौद्योगिकी के युग में कॅरियर के नित नए आयामों में विदेशी भाषाओं के जानकारों की मांग भी तेजी से बढ़ रही है।

कोर्स:– 1. सर्टिफिकेट इन फॉरेन लैंग्वेज

2. डिप्लोमा इन फॉरेन लैंग्वेज

3. बेचलर इन फॉरेन लैंग्वेज

योग्यता:–12वीं कक्षा उत्तीर्ण

विशेषज्ञता:–भाषा विज्ञान में कई क्षेत्रों में विशेषज्ञता प्राप्त की जा सकती है। इनमें फोनेटिक, फोनोलोजी, सिटेक्स, सीमेटिक्स, प्राग्मेटिक्स, सोशियो लिंग्वीस्टिक्स, हिस्टोरिकल लिंग्वीस्टिक्स, यूनिवर्सल टाइपोलोजी, एक्विशन एप्लाइड, लिंग्वीस्टिक्स, एन्थ्रोंपोलोजिकल लिंग्वीस्टिक्स, न्यूरो लिंग्वीस्टिक्स, एंथ्रो लिंग्वीस्टिक्स, साइको लिंग्वीस्टिक्स, टेक्स्ट एनालिसिस तथा दू–भाषा अनुवादक प्रमुख हैं।

संस्थान:–

1. मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर।
2. मुम्बई विश्वविद्यालय, मुम्बई।
3. दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।
4. राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय, उदयपुर।
5. द स्कूल ऑफ लैंग्वेज, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।
6. सेन्ट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ इंग्लिश एण्ड लैंग्वेज, हैदराबाद।
7. केन्द्रीय हिन्दी संस्थान कैलाश कॉलोनी, नई दिल्ली।
8. गुरूनानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर।
9. बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, बनारस।
10. उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद।

खेलों में रोजगार

आदिकाल से ही खेलों को मनोरंजन एवं शारीरिक व्यायाम का साधन माना जाता रहा है। आधुनिक युग में खेल केवल मनोरंजन या शौक ही न होकर कॅरियर निर्माण का भी एक सुदृढ़ क्षेत्र बन गया है। इसमें रोजगार के अनेक क्षेत्र हैं जिनमें कॅरियर बनाया जा सकता है। शिक्षा मंत्रालय ने भी नई शिक्षा नीति के तहत शारीरिक शिक्षा को अनिवार्य बनाया है। खेलों में प्रशिक्षण देने के लिए आज विभिन्न छोटे–बड़े शहरों के विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों में प्रशिक्षण पाठ्यक्रम चलाये जा रहे हैं।

कोर्सः– सी.पी.एड., बी.पी.एड., एम.पी.एड., एम.फिल, पी.एचडी. इन स्पोर्ट्स

योग्यताः–10+2 व स्नातक कोर्स अनुसार

संस्थानः–

1. नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल प्रशिक्षण संस्थान, पटियाला।
2. देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर।
3. रानी लक्ष्मीबाई फिजिकल एजुकेशन संस्थान, ग्वालियर।
4. जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर।
5. मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर।
6. गंगासिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर।
7. मुम्बई विश्वविद्यालय, मुम्बई।
8. इन्दिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एण्ड स्पोर्ट्स साइंस दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।

रोजगार के अवसरः–खेल प्रशिक्षक, शारीरिक शिक्षक, खिलाड़ी, एडवेंचर स्पोर्ट्स शॉप, गेम्स ट्रेनिंग स्कूल, फिटनेस सलाहकार एवं फिटनेस सेंटर, एरोबिक्स सलाहकार एवं सेंटर तथा खेल सामग्री मैन्युफेक्चरर आदि।

फ्यूचर स्पोर्ट्स कॅरियरः–स्पोर्ट्स मैनेजर, स्पोर्ट्स एजेंट, स्पोर्ट्स एडमिनिस्ट्रेटर, स्पोर्ट्स मार्केटिंग, एडवाइजर, स्पोर्ट्स कम्पनी कॉर्डिनेटर और स्पोर्ट्स साइकोलोजिस्ट आदि।

योग में कॅरियर

वर्तमान में जिस तरह योग लोकप्रिय हुआ है उससे इस क्षेत्र में कॅरियर के बहुत ही अच्छे अवसर उत्पन्न हो गये हैं।

कोर्स:– डिप्लोमा इन योग

योग्यता:– 12वीं उत्तीर्ण

अवधि:– एक वर्ष

संस्थान:–

1. मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर।
2. राजस्थान विद्यापीठ (डीम्ड) विश्वविद्यालय, उदयपुर।
3. बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी।
4. मुंबई विश्वविद्यालय एम.जी. रोड फोर्ट, मुंबई।
5. देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर।
6. गुरूकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार।

रोजगार के अवसर :–

आजकल पांच सितारा होटलों में योग अध्यापकों की निरन्तर मांग रहती है होटलों में योग सिखाने वाले को अच्छी तनख्वाह मिलती है। यहाँ से उन्हें कुछ निजी क्लाइंट भी मिल सकते हैं। हेल्थ क्लब में योग प्रशिक्षकों की मांग रहती है। अनेक वृद्ध, बीमार, विकलांग लोगों को नियमित योग अभ्यास की आवश्यकता होती है, उनके घर जाकर योग का शिक्षण देकर योग प्रशिक्षक अच्छी आय अर्जित कर सकते हैं।

होटल मैनेजमेंट व्यवसाय

भारत में छोटे–बड़े होटलों की संख्या बहुत है। ऊँचा वेतन और आकर्षक सुविधाओं के साथ ही प्रतिष्ठा से युक्त कॅरियर के रूप में होटल व्यवसाय, युवाओं को अपनी ओर आकर्षित करता है। होटल व्यवसाय में रोजगार के अवसरों की कोई कमी नहीं है।

कोर्स:– होटल मैनेजमेंट केटरिंग एण्ड न्यूट्रीशन (अवधि–3 वर्ष)

बी.एससी. (अतिथि सत्कार एवं होटल प्रशासन)

डिप्लोमा इन फ्रन्ट ऑफिस एण्ड होटल (अवधि–1 वर्ष 6 माह)

होटल प्रबन्धन में अल्प अवधि पाठ्यक्रम (6 से 8 माह)
(अ) हाउस कीपिंग (ब) कुकरी (स) फूड एण्ड बेवरीज सर्विस

योग्यता:– 12वीं उत्तीर्ण (अल्प अवधि पाठ्यक्रमों हेतु 8वीं उत्तीर्ण)

प्रवेश – मेरिट आधारित/ लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार

संस्थान:–नेशनल काउंसिल फोर होटल मैनेजमेंट एवं केटरिंग टेक्नोलोजी का मुख्यालय नई दिल्ली स्थित पूसा कैंपस में है, इसकी प्रशिक्षण शाखाएँ सारे देश में कार्यरत हैं। अन्य प्रमुख संस्थान निम्न हैं–

1. इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूट्रीशन, चण्डीगढ़।
2. फूड क्राफ्ट इंस्टीट्यूट होटल खिदमत, अजमेर।
3. राजकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज, जोधपुर।
4. इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट एण्ड टेक्नोलोजी, उदयपुर।
5. राष्ट्रीय होटल प्रबन्धन एवं केटरिंग टेक्नोलोजी परिषद्, दिल्ली।
6. होटल एण्ड केटरिंग मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट, चंडीगढ़।
7. डॉ. अम्बेडकर होटल प्रबन्ध, खान–पान व्यवस्था एवं पोषाहार संस्थान, चंडीगढ़।

रोजगार के अवसर :–सत्कार व्यवस्था, भोजन व्यवस्था, जनसम्पर्क, रूम सेवा, भोजनालय, व्यावसायिक विभाग, लेखा विभाग, सेल्स व मार्केटिंग, स्वागत सेवा, इंटीरियर सजावट सेवा आदि।

विमान परिचारिका

हवाई यात्रा कम्पनियों का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य होता है कि यात्रियों की यात्रा आरामदायक और सुखद हो। इसी संदर्भ में विमान परिचारिका का पद आवश्यक समझा गया है। सभी एयरलाइन्स चाहे वे राष्ट्रीय या अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की हो, विमान परिचारिकाओं की नियुक्ति करती हैं। इसके लिए आवश्यक है कि उम्मीदवार अविवाहित हो एवं उसका व्यक्तित्व आकर्षक एवं शिष्टाचार से परिपूर्ण हो। यह पद महिलाओं के लिए अधिक उपयुक्त माना जाता है।

योग्यता :– 10+2 उत्तीर्ण

आयु :– 19 से 25 वर्ष

शारीरिक मापदण्ड :– 1. कद–158 से 170 सें.मी.

2. वजन– 96 से 128 पौण्ड

3. दृष्टि– सामान्य

अतिरिक्त योग्यताएँ :–

1 पर्यटन, होटल प्रबन्धन, नर्सिंग प्रशिक्षण एवं विदेशी भाषा का जानने वाले को प्राथमिकता।

2 सुन्दरता, आकर्षक व्यक्तित्व, सौम्यता, व्यवहार कुशलता, शीघ्र निर्णय लेने की क्षमता एवं दूर दृष्टि की जरूरत।

3 अविवाहित होना चाहिए।

4 हिन्दी एवं अंग्रेजी भाषा के साथ कुछ विदेशी भाषाओं का ज्ञान।

चयन प्रक्रिया :– लिखित परीक्षा, मेडिकल जाँच तथा व्यक्तिगत साक्षात्कार।

प्रशिक्षण :– चयन के उपरान्त 6–7 सप्ताह का प्रशिक्षण दिया जाता है।

संस्थान :–1 एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ डवलपमेन्ट एण्ड एकेडमिक्स, सी–स्कीम,जयपुर

2 फ्रेंकफिन इंस्टीट्यूट ऑफ एयर हॉस्टेस ट्रेनिंग, मुम्बई।

3 किंगफिशर ट्रेनिंग एकेडमी, मुम्बई।

4 ए.एच.ए. एयर हॉस्टेस एकेडमी, नई दिल्ली।

विधि शिक्षा

विधि को रोजगार के रूप में अपनाने के लिए कुछ व्यक्तिगत क्षमताओं व विषय संबंधी दक्षता का होना जरूरी है। वादी–प्रतिवादी के वकील तथा जज सभी विधि के रोजगार से जुड़े हुए हैं। नियम कानून की पुस्तको में लिखे हुए हैं। उन्हीं के आधार पर किसी व्यक्ति को दोषी या निर्दोष साबित करने का दायित्व इस क्षेत्र से जुड़े लोगों का है।

अतः स्पष्ट है कि इस कार्य को कोई दक्ष व्यक्ति ही कर सकता है। फौजदारी कानून, दीवानी कानून, कर कानून, अन्तर्राष्ट्रिय कानून, श्रम कानून, कार्पोरेट लॉ, प्रॉपर्टी लॉ, इंवायरमेन्टल लॉ, इंटेलेक्चुअल, पेटेंट लॉ, कॉपीराइट लॉ, हयूमन राइट लॉ, एक्साइज लॉ, फैमिली लॉ, कॉन्सिट्यूशनल लॉ इत्यादि विधि में दक्षता के विभिन्न क्षेत्र हैं।

कोर्स :– 1 एल.एल.बी 2 बी.ए.,एल.एल.बी (5 वर्षीय)

योग्यता :– एल.एल.बी के लिए स्नातक

बी.ए.,एल.एल.बी के लिए 12वीं कक्षा 50 प्रतिशत से उत्तीर्ण

चयन :– प्रवेश परीक्षा के माध्यम से

परीक्षा प्रणाली :– 5 वर्षीय एकीकृत बी.ए.,एल.एल.बी. पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए विभिन्न लॉ संस्थानों में अखिल भारतीय स्तर की प्रवेश परीक्षा (AILAT/CLAT) होती है, जिसमें निम्नानुसार

1 इंग्लिस यूसेज

2 कम्प्रीहेंसन

3 मैथेमेटिकल स्किल्स

4 जनरल नॉलेज

5 करेंट अफेयर

6 लीगल एप्टीट्यूट

7 लॉजिकल एण्ड एनालिटी रीजनिंग

8 पर्सनेलिटी टेस्ट आदि विषयों से जुड़े शार्ट आंसर व ऑब्जेक्टिव टाइप 200 प्रश्न पूछे जाते हैं। इसमें नेगेटिव मार्किंग होती है।

संस्थानः–

1. दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।
2. नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर।
3. शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर।
4 मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर।
5. नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, जोधपुर।
5 मुम्बई विश्वविद्यालय, मुम्बई।
6. गंगासिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर।

रोजगार के अवसर :–वकालत, लीगल एडवाइजर, कंसलटेन्ट, न्यायाधीश, पब्लिक प्रॉसीक्यूटर, विधि लेखन, सेना में विधि अधिकारी, विधि व्याख्याता, लॉ ऑफिसर (M.N.C में) इत्यादि।

पत्राचार से विधि शिक्षा

1 कंजूमर प्रोटेक्शन लॉ – महात्मा गाँधी विश्वविद्यालय, कोयट्टयम

2 लेबर लॉ एण्ड एडमिनिस्ट्रेशन – मुम्बई विश्वविद्यालय, मुम्बई

3 इंश्योरेन्स एण्ड टेक्सेशन – गंगासिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर

4 हयूमन राइट डिप्लोमा – नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया, बेंगलूर

टैक्सटाइल डिजाइन

टैक्सटाइल डिजाइनिंग ग्लैमरपूर्ण आय प्रधान और रचनात्मक संतुष्टि वाला व्यवसाय है। आज भारत में जगह–जगह फैशन शो का आयोजन हो रहा है। अनेक प्रतिष्ठित लोगों के नाम इससे जुड़ गए हैं। आज के इस युग में एक्सपोर्ट हाउस की प्रगति ने कॅरियर के अन्तर्गत नया आयाम जोड़ा है।

योग्यताः– माध्यमिक/उच्च माध्यमिक उत्तीर्ण
अन्य योग्यताएँ

1. कल्पनाशील हो।
2. चित्रकला में दक्ष हो।
3. रेखाचित्र बनाने में दक्ष हो।
4. विभिन्न डिजाइनों से नई डिजाइन बनाने में दक्ष हो।
5. टेलरिंग में दक्षता, कटिंग, सिलाई एवं विभिन्न फैब्रिक्स का ज्ञान हो।

पाठ्यक्रमः–वर्तमान में पॉलिटेक्निक महाविद्यालयों में छात्राओं से सम्बन्धित कई पाठ्यक्रम चल रहे हैं। जैसे–

1. परिधान निर्माण व फैशन कॉर्डिनेशन (2 वर्षीय डिप्लोमा)
2. फैशन डिजाइन (2 व 3 वर्षीय पाठ्यक्रम)
3. उत्पादन तकनीकी पाठ्यक्रम
4. परिधान मार्केटिंग एवं विपणन

रोजगार के अवसर :–वस्त्र प्रौद्योगिकी में प्रशिक्षण प्राप्त विद्यार्थियों को निम्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर प्राप्त हो सकते हैं। डिजाइनर, सहायक डिजाइनर, स्केचर, कटिंग सहायक, जूनियर डिजाइनर, फैशन शो प्रबन्धक आदि।

स्वरोजगार :–टैक्सटाइल डिजाइनर स्वयं का वस्त्र निर्माण उद्योग एवं फैशन डिजाइनिंग उद्योग स्थापित कर सकता है। अन्य संस्थानों के साथ साझा वस्त्र निर्माण कार्य प्रारम्भ करके उन्हें विदेशी बाजार में विक्रय कर अच्छी आमदनी प्राप्त की जा सकती है।

संस्थान

1. नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलोजी, नई दिल्ली।
2. नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलोजी, गांधीनगर।
3. पर्ल एकेडमी ऑफ फैशन्स, नई दिल्ली।
4. यूनिवर्सिटी ऑफ मुम्बई, मुंबई।
5. नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन डिजाइनिंग, जयपुर।
6. एटीडीसी व्यावसायिक संस्थान, गुड़गांव।

जनसम्पर्क अधिकारी

जनसम्पर्क अधिकारी का काम अपने संस्थान की नीतियों और उसकी सफलताओं को संबंधित जन–जन तक पहुँचाना होता है। इसके अलावा किसी भी पी. आर. ओ. को अपनी कंपनी की नई नीतियों या एक्टिविटीज को खबरों में लाने के लिए सभी मीडिया हाऊसेज से अच्छे रिश्ते बनाने होते हैं।

योग्यता :–10+2

संस्थान :–

1 इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक रिलेशन, नई दिल्ली।

2 भारती विद्याभवन, दिल्ली।

3 साउथ दिल्ली कॉलेज ऑफ पॉलीटेक्निक फॉर वूमेन, दिल्ली।

पत्रकारिता

दुनिया में हो रहे तीव्र परिवर्तनों के सम्बन्ध में ज्यादा विकास संचार के क्षेत्र में ही हुआ है। इधर हाल के वर्षों में पत्रकारिता और जनसंचार के क्षेत्र में प्रशिक्षित कर्मियों की मांग तेजी से बढ़ी है। पत्रकारिता से जुड़े लोगों के लिये अनेक नवीन क्षेत्र खुले हैं। युवाओं का आकर्षण इस ओर बढ़ा है।

कोर्स :– पत्रकारिता में डिप्लोमा/पत्रकारिता में डिग्री

शैक्षिक योग्यता :– 10+2 उत्तीर्ण व स्नातक (डिग्री कोर्स हेतु)

अतिरिक्त योग्यताः–

1. भाषा पर पूरा अधिकार हो।
2. स्वस्थ शरीर और लगातार दबाव में भी काम करने की क्षमता हो।
3. समाज व आसपास हो रही घटनाओं में रुचि हो तथा इन घटनाओं का निरन्तर प्रेक्षण, निरीक्षण विश्लेषण व प्रस्तुतीकरण में भी रुचि रखते हों।
4. अध्ययनशील, सद्व्यवहारी हो।

संस्थान :–

1. राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय, उदयपुर।
2. मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर।
3. राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर।
4. कमला नेहरू कॉलेज, नई दिल्ली।
5. उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद।
6. माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय, भोपाल।

रोजगार के अवसरः–

आज देश भर में कई समाचार पत्र, पत्रिकाओं व समाचार चैनलों में रोजगार के असंख्य अवसर उपलब्ध हैं। साथ ही वेबसाइट व न्यूज पोर्टल तथा एफ. एम रेडियो ने भी अवसरों की उपलब्धता में वृद्धि की है।

कला क्षेत्र में कॅरियर

बच्चों को विद्यालय में कला अथवा हस्तकला आवश्यक रूप से सिखाई जाती है। अनेक बच्चों को चित्रकला का विशेष शौक होता है और वे ''ऑन द स्पोट प्रतियोगिताओं में पुरस्कार जीतते हैं। प्रायः लोग यह कहकर कला के क्षेत्र में जिज्ञासु लोगों को हताश कर देते हैं कि कलाकार पैसों के लिए जिन्दगी भर संघर्ष करते हैं फिर भी भूखे मरते हैं। जबकि यह धारणा सर्वथा गलत है। विभिन्न प्रचलित कलाएँ व उनमें से सम्बन्धित क्षेत्र निम्न हैं –

1. पेन्टिंग
2. मूर्ति कला
3. कॉमर्शियल आर्ट
4. ग्राफिक आर्ट
5. अप्लाइड आर्ट
6. कार्टून

पाठ्यक्रमः–डी.एफ.ए. (डिप्लोमा इन फाइन आर्ट्स)

बी.एफ.ए. (बेचलर ऑफ फाइन आर्ट्स)

योग्यताः– 12वीं/स्नातक

संस्थान :–
1. मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर।
2. राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर।
3. वनस्थली विद्यापीठ, वनस्थली, टोंक।
4. महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर।
5. एम.एस. बड़ौदा विश्वविद्यालय, बड़ौदा।
6. मुम्बई विश्वविद्यालय, मुम्बई।

रोजगार के अवसर :–

1. अप्लाइड आर्ट तथा कॉमर्शियल आर्ट के विशेषज्ञ ललित कला के पाठ्यक्रम करने के पश्चात् टी.वी. या फिल्मी स्टूडियो में काम कर सकते हैं।
2. कला के विशेषज्ञ किसी स्कूल अथवा कॉलेज मे शिक्षण कार्य कर सकते हैं।
3. कला स्टूडियो, विज्ञापन एजेन्सी, प्रकाशन गृह, समाचार पत्रक समूहों, वस्त्र डिजाइनिंग में लगी कम्पनियों में कार्य कर सकते हैं।

संगीत के क्षेत्र में कॅरियर

संगीत मानव जीवन के लिए प्रकृति का एक अदभुत उपहार है। संगीत एक जादुई अनुभूति है और इसका प्रभाव प्रत्येक संवदेनशील प्राणी पर होता है।

संगीत के क्षेत्र में निम्न प्रकार के कॅरियर हो सकते हैं –

1. गीतकार :–जिन्हें साहित्य में रुचि हो, साथ ही व्यावहारिक जीवन, परम्पराओं, सामाजिक मर्यादाओं का ज्ञान हो, वे अच्छे गीतकार बन सकते हैं।

2. संगीतकार :–संगीत में स्वरों को सुव्यवस्थित कर गीत के आधार पर धुन तैयार करने की योग्यता रखने वाले संगीतकार बन सकते हैं।

3. कम्पोजर :–एक गीत में कई प्रकार के वाद्यों का प्रयोग होता है। किस वाद्य का प्रयोग किस स्थान पर होना है या किसी विशेष गीत में कौन से वाद्य प्रमुखता से लेने हैं। इस कार्य में ज्ञान व रुचि रखने वाले कम्पोजर बन सकते हैं।

4. प्रबंधक :– इस क्षेत्र की अत्यधिक उपादेयता है, क्योंकि अच्छा संगीत जन–जन तक पहुँचे, इसके लिए कुशल प्रबंधन की आवश्यकता होती है। एक अच्छा प्रबंधक गीतकार, गायक, संगीतकार व संगीत कम्पनी के बीच समायोजन करता है। साथ ही उसकी एडवरटाइजिंग व मार्केटिंग भी देखता है। आजकल इसी तरह के कई आयोजन दूरदर्शन के विभिन्न चैनल्स आयोजित कर रहे हैं।

5. प्रोड्यूसर :– ये बजट जुटाने से लेकर रिकार्डिंग तक सम्पूर्ण कार्य करते हैं।

6. संगीत शिक्षक :– विभिन्न शिक्षण संस्थानो में संगीत गुरु के रूप में अपनी भूमिका निभा सकते हैं।

7. गायक/गायिका:–सुमधुर आवाज के धनी को रोजगार के अन्य साधनों की आवश्यकता नहीं होती है।

8. वादक :–किसी विशेष वाद्य यंत्र में विशेषज्ञता प्राप्त कर रोजगार प्राप्त कर सकते हैं।

संगीत प्रशिक्षण संस्थान :–

1. अजमेर म्यूजिक कॉलेज, अजमेर।
2. वनस्थली विद्यापीठ, वनस्थली।
3. गंधर्व महाविद्यालय, नई दिल्ली।
4. प्रयाग संगीत समिति, इलाहाबाद।
5. इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ (छत्तीसगढ़)।
6. भातखंडे संगीत महाविद्यालय, लखनऊ।
7. ललित कला संकाय राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर।
8. मुम्बई विश्वविद्यालय, मुम्बई।
9. गंगासिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर।
10. मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर।

इन्श्योरेन्स मैनेजमेंट में रोजगार के अवसर

इन्श्योरेन्स मैनेजमेंट :–बीमा क्षेत्र में कॅरियर बनाने हेतु इन्श्योरेन्स मैनेजमेंट में डिप्लोमा/कोर्स किए जा सकते हैं। देश में अनेक संस्थानों द्वारा इन्श्योरेन्स मैनेजमेंट में विशिष्ट कोर्स करवाए जाते हैं। इन्श्योरेन्स मैनेजमेंट हेतु कुछ प्रमुख कोर्स इस प्रकार हैं:–

योग्यता: – 10+2 उत्तीर्ण

कोर्स :–एडवांस सर्टिफिकेट इन इन्श्योरेन्स बिजनेस मैनेजमेंट

संस्थान:–1. बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलोजी पिलानी/रांची।

2. मुम्बई विश्वविद्यालय, मुम्बई।

3. गंगासिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर।

4. उस्मानिया, हैदराबाद।

5 Insurance Institute for Education & Training, Mumbai.

समाज सेवा में कॅरियर

समाज सेवा एक कला है अर्थात् उपलब्ध संसाधनों एवं जुटाये जाने वाले साधनों का सही उपयोग कर उन्हें सही लोगों तक पहुँचाना ही समाज सेवा कहलाती है। समाजसेवी गरीबी, बेरोजगारी, असामाजिक तत्वों, पारिवारिक समस्याओं, अपंगों और साधनों की कमी के कारण उत्पन्न होने वाली सामाजिक समस्याओं को बढ़ने से रोकने का प्रयास करते हैं। समाज सेवा में कॅरियर की नई उँचाइयों को छुआ जा सकता है।

पाठ्यक्रमः– 1. बेचलर ऑफ सोशल वर्क 2 . मास्टर ऑफ सोशल वर्क

3. इन्टीग्रेटेड कोर्स (BSW- M.A.)–5 वर्षीय

योग्यताः–10+2 स्नातक कोर्स के लिए (स्नाकोत्तर के लिए स्नातक आवश्यक)

चयनः–लिखित एवं साक्षात्कार के आधार पर

व्यक्तिगत गुणः–समाज सेवा, दृढ़ इच्छाशक्ति, जागरूकता, विचारों की स्पष्टता तथा व्यक्तिगत शुचिता आदि प्रमुख गुण हैं।

समाज सेवा के क्षेत्रः–चिकित्सा, स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला एवं बाल विकास, वन एवं पर्यावरण, सामाजिक एवं घरेलू समस्याओं पर परामर्श, कुपोषण, युद्ध, दंगा–फसाद, राजनैतिक गतिविधियाँ गरीबी, सामाजिक कुरीतियाँ आदि सेवा क्षेत्र हैं।

संस्थानः–1. मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर।

2. राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय, उदयपुर।
3. राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर।
4. मुम्बई विश्वविद्यालय, मुम्बई।
5. टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस, देवनगर मुम्बई।
6. दिल्ली स्कूल ऑफ सोशल वर्क, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।
7. सरदार पटेल यूनिवर्सिटी ऑफ पुलिस सिक्योरिटी एण्ड क्रिमिनल जस्टिस, जोधपुर।

रोजगार के अवसरः–देश में सभी बड़ी कम्पनियाँ अपने अधीन एक समाज सेवा विभाग संचालित करती हैं, जो प्राकृतिक आपदाओं सहित समाज में व्याप्त अन्य समस्याओं के निवारण के लिए समाज सेवा का कार्य करती हैं। अन्तर्राष्ट्रीय कम्पनियाँ भी इसी तरह की विंग संचालित करती हैं।

बागवानी

देश में जैसे–जैसे पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ी है, वैसे–वैसे बागवानी का महत्व बढ़ता जा रहा है। विभिन्न संस्थान एवं कम्पनियाँ पर्यावरण मित्र की छवि बनाने के लिए प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से बढ़ावा दे रहे हैं। अब होर्टिकल्चर को कृषि विज्ञान के क्षेत्र में विशेष महत्व मिल रहा है।

प्रवेश प्रक्रिया :–10+2 के उपरान्त प्रवेश परीक्षा के माध्यम से विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश ले सकते हैं।

प्रमुख संस्थान :–

1. भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् पूसा, नई दिल्ली।
2. राजेन्द्र प्रसाद कृषि विश्वविद्यालय, समस्तीपुर।
3. पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना।
4. महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर।
5. राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर।
6. जी.बी. पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर उत्तरांचल।

रोजगार के अवसरः– भारत सरकार एवं राज्य सरकार भी कृषि अनुसंधान परिषद् के माध्यम से समय–समय पर रोजगार के अवसर प्रदान करती हैं। इस क्षेत्र में पर्यावरण मित्र का पुरस्कार भी देती है।

कृषि से सम्बन्धित विभिन्न क्षेत्र

योग्यता:–10+2, कृषि

1. कृषि अभियान्त्रिकी में प्रवेश हेतु JET प्रवेश परीक्षा
    - B.Sc. (Agri.) B.Sc. (Horti. & Forestry) B. Tech. (DT/FT)
2. RPET के परीक्षा पास करने के पश्चात्
    - B. Tech. Dairy , B. Tech Food, B.E. / B. Tech/ Engg.
3. ग्राम सेवक / (कृषि विस्तार अधिकारी)
4. कृषि प्रसार अधिकारी
5. डेयरी उद्योग
6. रेशम उद्योग
7. मधुमक्खी पालन
8. मछलीपालन
9. पशुपालन
10. पुष्प एवं फसल उत्पादन
11. फल, सब्जी उत्पादन
12. पोल्ट्री व्यवसाय
13. पौध कीट व्याधि अधिकारी
14. कृषि में तीन वर्षीय डिप्लोमा कृषि डिप्लोमा संस्थान, नागौर द्वारा करवाया जाता है जिसकी शैक्षणिक योग्यता 10वीं उत्तीर्ण है।

महिलाओं के लिए कॅरियर

रोजगार एवं प्रशिक्षण महानिदेशालय, श्रम मंत्रालय व भारत सरकार महिलाओं के लिए उद्योगों व सेवाओं में अधिक अवसर प्रदान करने उन्हें बुनियादी अग्रणी तथा उत्तर अग्रणी पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण देने के लिए कुछ ऐसे कोर्स संचालित करवाता है, जो केवल महिलाओं के लिए होते हैं। कामकाजी महिलाओं में तकनीकी कौशल विकसित करने एवं उनमें दक्षता संवर्धन के लिए रोजगारोन्मुखी लघु पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं।

रीजनल वोकेशनल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट फॉर वूमन देशभर में 11 संस्थानों द्वारा संचालित किये जाते हैं।

प्रवेश– मेरिट के आधार पर।

(एस.सी./एस.टी. विकलांग व रक्षा सेवाओं के आश्रितों को आरक्षण)

आयु पात्रता– 14 से 25 वर्ष

विविध पाठ्यक्रम

क्र. सं.	पाठ्यक्रम	अवधि	न्यूनतम प्रवेश पात्रता
1.	सेक्रेटेरियल प्रैक्टिस	1 वर्ष	12वीं उत्तीर्ण, न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक अंग्रेजी में (एस.सी.एस.टी. 45 प्रतिशत)
2.	आर्किटेक्चरल ड्राफ्टमैनशिप	2 वर्ष	10वीं उत्तीर्ण
3.	डी.टी.पी. ऑपरेटर	1 वर्ष	12वीं उत्तीर्ण
4.	हैयर एण्ड स्किन केयर	1 वर्ष	10वीं उत्तीर्ण
5.	कम्प्यूटर ऑपरेटर एण्ड प्रोग्रामिंग असिस्टेन्ट	1 वर्ष	12वीं उत्तीर्ण (विज्ञान/वाणिज्य वर्ग उच्च योग्यताधारी को प्राथमिकता
6.	परिधान निर्माण, कशीदाकारी तथा सूचीकर्मण	8 माह	10वीं उत्तीर्ण, 8वीं के साथ आई.टी.आई कटिंग, टेलरिंग NCVT
7.	ब्यूटी कल्चर एण्ड हैयर ड्रेसिंग	8 माह	10वीं उत्तीर्ण आई.टी.आई. हैयर एण्ड स्किन केयर NCVT

8.	कास्टिंग प्रोसिस	3 माह	10वीं उत्तीर्ण
9.	स्टोन सेटिंग	3 माह	10वीं उत्तीर्ण
10.	मॉडल मेकिंग	3 माह	10वीं उत्तीर्ण
11.	फाइनल पोलिशिंग एण्ड फिनिंशिग	3 माह	10वीं उत्तीर्ण
12.	फैशन एण्ड डिजाइन क्षेत्र एसेसरीज डिजाइन	3 वर्ष	10+2 उत्तीर्ण (न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक)
13.	फैशन डिजाइन	1 वर्ष	10+2 उत्तीर्ण (न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक)
14.	डिप्लोमा इन फैशन डिजाइन एण्ड प्रजेन्टेशन	1 वर्ष	10+2 उत्तीर्ण
15.	डिप्लोमा इन फैशन सेम्पलिंग एण्ड कोर्डिनेशन	1 वर्ष	10+2 उत्तीर्ण
16.	डिप्लोमा इन अपेरल मैन्यूफेक्चरिंग टेक्नोलॉजी	1 वर्ष	10+2 उत्तीर्ण
17.	पैटर्न एण्ड कटिंग मास्टर कोर्स	6 माह	10वीं उत्तीर्ण
18.	मशीन मैकेनिक कोर्स	4 माह	10वीं उत्तीर्ण
19.	फिनिशिंग एण्ड पैकेजिंग सुपरवाइजर कोर्स	3 माह	10+2 उत्तीर्ण
20.	सिलाई मशीन ऑपरेटिंग कोर्स	3 माह	8वीं उत्तीर्ण
21.	आभूषण डिजाइन/ निर्माण क्षेत्र बेसिक ज्वैलरी डिजाइन	3 माह	10+2 उत्तीर्ण
22.	एडवांस ज्वैलरी डिजाइन	3 माह	10+2 उत्तीर्ण

उक्त तालिका में बताये गये पाठ्यक्रमों के लिए निम्नांकित संस्थानों से सम्पर्क किया जा सकता है–

1. नेशनल वोकेशनल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट फोर वूमन, नोएडा।
2. आर.वी.टी.आई.फोर वूमन, मुम्बई।
3. आर.वी.टी.आई. फोर वूमन, होसर रोड बेंगलुरू।
4. आर.वी.टी.आई. फोर वूमन, काझा कुंट्टम त्रिवेन्द्रम।
5. आर.वी.टी. आई.,फोर वूमन, गरियाहट रोड़ कोलकाता।
6. आर.वी.टी.आई. फोर वूमन, थांडी सड़क, हिसार।
7. आर.वी.टी.आई. फोर वूमन, 5, इलाहाबाद।
8. आर.वी.टी.आई. फोर वूमन, बनीपार्क जयपुर।
9. नेशनल इंस्टीट्यूट आफ फैशन टेक्नोलोजी, (NIFT) हौजखास नई दिल्ली।
10. NIFD केम्पस, राजपूताना टावर, तिलक नगर जयपुर।
11. अपेरल ट्रेनिंग एण्ड डिजाइन सेन्टर, (A.T.D.C.) मालवीय औद्योगिक क्षेत्र, केलगिरी सर्किल के पास, जयपुर।
12. ज्वैलरी प्रोडक्ट डवलपमेन्ट सेन्टर, राजस्थान चैम्बर भवन, एम.आई.रोड, जयपुर।

विदेश में अध्ययन हेतु पात्रता परीक्षाएँ

1. **टोफेलः टेस्ट** ऑफ इंग्लिश एज फोरेन लैंग्वेज

टोफेल टेस्ट अंग्रेजी भाषा में प्रवीणता जाँचने के लिए लिया जाता है।

अवधिः 3 घंटे।

जिसमें एक–एक घंटे के तीन भाग होते हैं। प्रत्येक भाग में अंग्रेजी शब्द ज्ञान, भाषा ज्ञान, लेखन क्षमता, रचनात्मक क्षमता, शैली, श्रवण क्षमता व पढ़ने की क्षमता आदि की जाँच होती है।

परीक्षा समयः

टोफेल की परीक्षा मार्च, जून, सितम्बर व दिसम्बर के शुक्रवारों तथा जनवरी, फरवरी, अप्रेल, अगस्त, अक्टूबर व नवम्बर के शनिवारों को ली जाती है।

परीक्षा शुल्कः

परीक्षा के लिए पंजीयन शुल्क 48 अमेरिकन डॉलर है। मुद्रा रुपयों में स्वीकार्य है।

परीक्षा संचालनः

टोफेल/टी.एस.आई. सर्विसेस पोस्ट ऑफिस बॉक्स 6151 एजुकेशनल टेस्टिंग सर्विस प्रिसटन न्यूजर्सी 005416151 यू.एस.ए. करता है।

सम्पर्क सूत्रः

इंस्टीट्यूट ऑफ साइकोलोजिकल एण्ड एजुकेशनल मैनेजमेन्ट 119/25 ए महात्मा गाँधी मार्ग, इलाहाबाद।

2. **जी.एस.ए.टी.:** ग्रेजुएशनल मैनेजमेन्ट एडमिशन टेस्ट

अमरीका में प्रबन्धन की शिक्षा लेने वाले छात्रों के लिए जी.मेट. टेस्ट आवश्यक है।

परीक्षा पाठ्यक्रम– इसमें अंग्रेजी बोलना, अंग्रेजी व्याकरण, गणित व आँकड़े रीजनिंग के सवाल आते हैं। इसमें गणितीय एनालिसिस व मौखिक प्रश्न पूछे जाते हैं। इसमें 900 स्कोर सर्वोत्तम माना जाता है।

सम्पर्क सूत्रः ग्रेजुएशन मैनेजमेन्ट टेस्ट, एजुकेशनल टेस्टिंग सर्विस, प्रिसटन न्यूजर्सी 08541– यू.एस.ए.

3. जी.आर.आई.:

ग्रेजुएट रिकार्ड एक्जामिनेशन।

यह परीक्षा स्नातकोत्तर अध्ययन के इच्छुक छात्रों के लिए आवश्यक है।

अवधिः 2:30 घंटे।

यह परीक्षा कुल 2400 अंकों की होती है। जिसमें 1500 अंक लाना अनिवार्य है। यह दो भागों में विभाजित है–

1. सामान्य जी.आर.ई. 2. जी.आर.ई विशेष–यह विषय आधारित परीक्षा है।

शुल्कः

1. सामान्य जी.आर.आई. के लिए 120 अमरीकी डॉलर।
2. विशेष जी.आर.आई. के लिए 96 अमरीकी डॉलर।

परीक्षा समयः भारत में वर्ष में चार बार।

परीक्षा का आयोजनः– इंस्टीट्यूट ऑफ साइकोलोजिकल एण्ड एजुकेशनल मैनेजमेन्ट इलाहाबाद कराता है।

4. एम.ए.टी.: मीलर एनालोजीस टेस्ट।

सम्पर्क स्थानः साईकोलोजिकल कॉरपोरेशन, 75 ओल्ड बुलवर्ड क्लीवलैन्ड, ओहियो– 44130 (यू.एस.ए.)

5. डी.ए.टी.: डेन्टल एडमिशन टेस्ट।

सम्पर्क स्थानः डिवीजन ऑफ एजुकेशनल मैनेजमेन्ट काउंसिल ऑफ डेन्टल एजुकेशन, अमरीकन डेन्टल एसोसिएशन 211, ईस्ट शिकागो एवं न्यू–शिकागो, इलीनोयस– 6061(यू.एस.ए.)

6. एल.एस.ए.टी.: लॉ स्कूल ऑफ एडमिशन टेस्ट।

सम्पर्क स्थानः लॉ स्कूल एडमिशन काउंसिल बॉक्स 414, 2235 नार्थ ड्यूब रोड, जोवा, सी.टी. आयोवा 53243 (यू.एस.ए.)

7. **टी.डब्ल्यू.ई.:** टेस्ट ऑफ रिटर्न इंग्लिश।
अवधिः ½ घंटा।
कुछ खास तिथियों में टोफेल के साथ ही होती है।

8. **टी.एस.ई.:** टेस्ट ऑफ स्पोकन इंग्लिश।
यह टोफेल परीक्षा के दिन ही लेकिन अलग से होती है।
इसके 2 प्रकार हैं–
1. टी.एस.ई.–ए यह रिसर्च स्कोलर के लिए।
2. टी.एस.ई.–बी यह पेशेवर या रोजगार सम्बन्धी प्रमाण पत्र लेने के लिए।
यह मौखिक टेस्ट है। जिसमें न्यूनतम 45 अंक अनिवार्य है।

9. **जी.एम.ई.टी.:** ग्रेजुएट मैनेजमेन्ट एजुकेशन टेस्ट।
छात्रों की मौखिक, मैथ्स संबंधी, एनालिटिकल और समस्याओं को हल करने संबंधी कौशल की परीक्षा ली जाती है।

परीक्षा समय– वर्ष में चार बार आयोजित।

सम्पर्क सूत्र– मैनेजमेन्ट एडमिशन टेस्ट, एजुकेशनल टेस्टिंग सर्विस,
पी.ओ. बॉक्स जी 103 प्रिसटन (यू.एस.ए.)

10. **एस.ए.टी.:** स्कॉलिस्ट एप्टीट्यूट टेस्ट।
यह दो सेट में विभाजित है–

1. सेट (एस.ए.टी.)1 – यह लिखित व मौखिक टेस्ट सहित कुल 3 घंटे का टेस्ट होता है। एक गणितीय रीजनिंग टेस्ट होता है।

2. सेट (एस.ए.टी.) 2– यह विषय आधारित टेस्ट है।
इसमें कुल सोलह विषय हैं। जिसमें से 3 विषय चुनने होते हैं।
परीक्षा का आयोजन– भारत में वर्ष में छः बार जनवरी, फरवरी, मई, जून, नवम्बर व दिसम्बर मे आयोजित किया जाता है।

सम्पर्क सूत्रः इंस्टीट्यूट ऑफ साइकोलोजिकल एण्ड एजुकेशन मैनेजमेन्ट
119/25,ए महात्मा गाँधी मार्ग, इलाहाबाद 211001

चार्टर्ड एकाउंटेंट (C.A.)

कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 225 के अनुसार प्रत्येक कम्पनी को साल में एक बार कानूनी रूप से अंकेक्षण अर्थात ऑडिट कराना आवश्यक है, जो सी.ए. द्वारा किया जाता है। जिसका मुख्य काम कम्पनी, व्यावसायिक संगठन, सरकारी या निजी बैंक, बीमा कम्पनी आदि का ऑडिट करना होता है। निजी बैंकों व विदेशी कम्पनियों की बढ़ती संख्या की वजह से सी.ए. रोजगार का बेहतर विकल्प बन गया है। इस क्षेत्र में डॉक्टर और वकील की तरह निजी प्रेक्टिस भी कर सकते हैं।

पात्रताः–

1. उच्च माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण विद्यार्थी फाउण्डेशन कोर्स करके सी.ए. में प्रवेश ले सकते हैं।
2. वाणिज्य स्नातक कम से कम 50 प्रतिशत अंक होने पर सीधे इन्टरमिडिएट में प्रवेश पा सकते हैं।
3. कला एवं विज्ञान संकाय के स्नातक विद्यार्थी जिन्होंने गणित विषय का अध्ययन नहीं किया है, उन्हें 60 प्रतिशत अंक होने पर प्रवेश मिलता है।
4. अन्य विषयों (गणित सहित) में स्नातक परीक्षा पास करने पर 55 प्रतिशत अंक लाना अनिवार्य है।
5. कम अंक वाले स्नातकों को फाउण्डेशन कोर्स करना अनिवार्य होता है।
6. फाउण्डेशन कोर्स के लिए आयु 16 वर्ष व इन्टरमिडिएट के लिए 18 वर्ष है।

पाठ्यक्रमः–

1. फाउण्डेशन कोर्स (CPT):– CPT परीक्षा में 30% अंक प्रत्येक पेपर में व 50% कुल अंक वाला पास होता है।
2. इन्टरमिडिएट कोर्स (IPCC):– IPCC के 2 ग्रुप होते हैं। कुल 7 पेपर पास करने होते हैं। पहले ग्रुप में चार व दूसरे ग्रुप में तीन पेपर होते हैं। पहला ग्रुप पास करने पर आर्टिकलशिप शुरू कर सकते हैं, तभी फाइनल परीक्षाओं में प्रवेश मिलता है।
3. फाइनल कोर्स

परीक्षा का प्रकारः–

1. पेपर पेन्सिल मोड – सामान्यतः यह परीक्षा माह जून व दिसम्बर में होती है।

चार्टर्ड एकाउंटेंट की फाउण्डेशन परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद प्रार्थी को किसी अनुभवी सी.ए. के साथ काम सीखना पड़ता है। एक वर्ष की ट्रेनिंग और प्रशिक्षण के पश्चात् कोई भी आर्टिकल इन्टरमिडिएट परीक्षा मे शामिल हो सकता है।

फाउण्डेशन परीक्षा पास करने के बाद इन्टरमिडिएट परीक्षा के लिए द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट ऑफ इण्डिया के अपने क्षेत्र से संबंधित कार्यालय में पंजीयन कराना पड़ता है। तत्पश्चात् आर्टिकलशिप शुरु हो जाती है।

संस्थानः—भारतीय चार्टर्ड एकाउन्ट्स (लेखाकार) संस्थान का केन्द्रीय कार्यालय दिल्ली में है। छात्र देश भर में संस्थान के क्षेत्रीय कार्यालयों से सम्पर्क कर सकते हैं।

1. डायरेक्टर ऑफ स्टडीज, द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट ऑफ इण्डिया इन्द्रप्रस्थ मार्ग, नई दिल्ली।
2. डिप्टी डायरेक्टर ऑफ स्टडीज द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट ऑफ इण्डिया 27, कफ परेड, कोलाबा, मुम्बई।
3. सहायक सचिव द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट ऑफ इण्डिया 122, नुन्गाम बक्कम हाई रोड़, चैन्नई।
4. जॉइन्ट डायरेक्टर ऑफ स्टडीज, द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट ऑफ इण्डिया 7, रसेल स्ट्रीट, कोलकाता।
5. सहायक सचिव, द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट ऑफ इण्डिया 16/77, सिविल लाइन्स, कानपुर।

रोजगार के अवसरः—

1. आर्थिक लेखाकार के रूप में।
2. स्वतंत्र व्यावसायिक सलाहकार के रूप में।
3. लागत लेखाकर्म सलाहकार के रूप में।
4. आयकर निर्धारण सलाहकार के रूप में।
5. लेखा प्रबन्धन का कार्य।
6. उद्योगों में नौकरी।
7. कम्पनियों में लेखा जाँचकर्त्ता का कार्य ।

कम्पनी सेक्रेटरी (C.S.)

आज औद्योगिक घराने पूर्ण रूप से पेशेवर रूप अपनाते जा रहे हैं। इसी कारण हर स्तर पर कुशल व्यक्तियों की आवश्यकता पड़ती है। विशेषकर आर्थिक प्रबन्धन के क्षेत्र मे योग्य व्यक्ति ही अधिक सफलतापूर्वक कार्य कर सकते हैं। कम्पनी सचिव का पद बहुत महत्वपूर्ण पद होता है। वह वित्त, कानूनी, प्रशासनिक, लेखा–जोखा आदि कार्यों में कम्पनी को उचित सलाह देता है।

पात्रताः–

1. 10+2 उत्तीर्ण विद्यार्थी जिन्होनें कम से कम 50 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हों।
2. जिन्होंने वाणिज्य अथवा (कला के अतिरिक्त) अन्य संकाय में स्नातक अथवा स्नातकोत्तर डिग्री प्राप्त की है अथवा कॉस्ट एण्ड वर्क्स एकाउंटेंट (ICWA) किया है अथवा सी.ए. किया है वे सीधे कम्पनी सचिव की इन्टरमिडिएट परीक्षा में शामिल हो सकते हैं।
3. यदि छात्र 12वीं की परीक्षा देने वाले हों या दे चुके हों और रिजल्ट न आया हो तो भी वे फाउण्डेशन परीक्षा में शामिल हो सकते हैं। 6 माह के भीतर 12वीं परीक्षा उत्तीर्ण करने का प्रमाण प्रस्तुत करना होता है।

चयन प्रक्रियाः–कम्पनी सचिव का कोर्स करने के लिए इंस्टीट्यूट ऑफ कम्पनी सेक्रेटरी ऑफ इण्डिया (ICSI) द्वारा आयोजित 3 परीक्षाएँ उत्तीर्ण करनी होती हैं।

1. फाउण्डेशन कोर्स (2 घन्टे की परीक्षा में 4 विषय का ज्ञान परख)
2. इन्टरमिडिएट (दो समूह में परीक्षा होती है दोनों समूहों में 4–4 विषय होते हैं।)
3. फाइनल (दो समूह में परीक्षा होती है दोनों समूहों में 4–4 विषय होते हैं।)

फाउण्डेशन की परीक्षा वर्ष में दो बार होती है, जून तथा दिसम्बर में इन्टरमिडिएट परीक्षा पास के लिए उम्र 17 वर्ष से अधिक होनी चाहिए। इन्टरमिडिएट परीक्षा पास कर लेने पर उम्मीदवार को फाइनल परीक्षा में पंजीकरण कराना होता है।

संस्थानः– द इंस्टीट्यूट ऑफ कम्पनी सेक्रेटरी ऑफ इण्डिया, आई.सी.एस.आई.

हाउस 22, इंस्टीट्यूशनल एरिया, लोदी रोड़, नई दिल्ली।

इसके अतिरिक्त भी देश भर में कई परीक्षा केन्द्र हैं।

कम्पनी सेक्रेटरी संस्थान :–

1. द इंस्टीट्यूट ऑफ कम्पनी सेक्रेटरी ऑफ इण्डिया, नई दिल्ली।
2. ईस्टर्न इण्डिया रिजनल कांउसिल, कोलकाता।
3 वेस्टर्न इण्डिया रिजनल काउंसिल, मुम्बई।
4. सदर्न इण्डिया रिजनल काउंसिल, चेन्नई।
5. नॉर्दन इण्डिया रिजनल काउंसिल, नई दिल्ली।

रोजगार के अवसरः–

1. राष्ट्रीय व बहुराष्ट्रीय कम्पनियों में।
2. आर्थिक प्रबन्धन के क्षेत्र में ।
3. वित्त, कानूनी एवं प्रशासनिक लेखा–जोखा के क्षेत्र में ।
4. निजी क्षेत्र में प्रबन्धक के रूप में ।

कॉस्ट एण्ड वर्क्स अकाउंटेंसी (I.C.W.A.)

आज प्रबन्धकों का कार्य भी चुनौतीपूर्ण व कठिन हो गया है। यही कारण है कि लागत व प्रबन्ध संबंधी लेखा कार्य आपस में मिल–जुल से गए हैं। उत्पादों की लागत का लेखा–जोखा एवं प्रबन्धन का कार्य इस कोर्स को करने वाले आसानी से कर सकते हैं।

पात्रताः–आवेदक की उम्र 16 वर्ष से अधिक होनी चाहिए तथा 12वीं पास हो।

चयन प्रकियाः–इस पाठ्यक्रम में तीन परीक्षाएँ होती हैं।

1. प्रवेश परीक्षा 2. इन्टरमिडिएट 3. फाइनल

सीधे इन्टरमिडिएट करने के लिए 50 प्रतिशत अंकों सहित स्नातक होना चाहिए तथा उम्र 18 वर्ष की होनी चाहिए।

संस्थानः–द इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट एण्ड वर्क्स अकाउंटेंसी ऑफ इण्डिया, 12 सदर स्ट्रीट, कोलकाता।

क्षेत्रीय कार्यालयः–

1. द इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट एण्ड वर्क्स अकाउंटेंसी ऑफ इण्डिया, इंस्टीट्यूशनल एरिया, लोदी रोड़, नई दिल्ली।
2. द इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट एण्ड वर्क्स अकाउंटेंसी ऑफ इण्डिया, रोहित चेम्बर्स, मुम्बई।
3. द इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट एण्ड वर्क्स अकाउंटेंसी ऑफ इण्डिया, मारिएथ लेन, एगमोर, चेन्नई।
4. द इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट एण्ड वर्क्स अकाउंटेंसी ऑफ इण्डिया, कोलकाता।

रोजगार के अवसरः:–

1. व्यापार में उत्पादों की लागत का लेखा–जोखा रखने के लिए कन्सलटेन्ट के रूप में।
2. नई विधि से उत्पाद को डिजाइन करने के लिए विशेषज्ञ के रूप में।
3. व्यापारिक लेन–देन का आन्तरिक अंकेक्षण करने के रूप में।
4. निवेश विश्लेषक की भूमिका में।
5. मूलधन व अन्य नकदी संबंधी प्रबन्धन के रूप में।

चार्टर्ड फायनेंशियल एनालिस्ट (C.F.A.)

देश में तेजी से आ रही बहुराष्ट्रीय कम्पनियों, बढ़ते वैश्वीकरण तथा व्यापार में आ रहे बूम को देखते हुए उसके बेहतर वित्तीय प्रबंधन के साथ वित्तीय अनुमान लगाने एवं सुदृढ़ वित्तीय योजनाओं को बनाने का कार्य CFA का है। इस स्थिति को देखते हुए निःसंदेह कहा जा सकता है कि CFA की आने वाले समय में बहुत मांग होने वाली है।

कोर्स :– CFA के निम्न कोर्स होते हैं।

1. डिप्लोमा इन बिजनेस फायनेंस (DBF)
2. एडवांस डिप्लोमा इन फायनेंस (ADF)
3. पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन फाइनेंशियल एनालिस्ट (PGDFA)

CFA के प्रत्येक चरण में तीन ग्रुप होते हैं। इन तीनों ग्रुप को पास करने के उपरांत ही अगले चरण में प्रवेश दिया जाता है। प्रत्येक ग्रुप में 2 विषय होते हैं। प्रत्येक विषय में न्यूनतम 45 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है।

योग्यता :– 10+2 उत्तीर्ण विद्यार्थी CFA फाउण्डेशन कोर्स के जरिए अपना रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं परन्तु लेवल द्वितीय व तृतीय की परीक्षा स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण करके ही दे सकते हैं।

अवधि :– 2 या 3 वर्ष

यह कोर्स मुख्यतः पत्राचार माध्यम से किया जाता है। इस पाठ्यक्रम को पूरा करके विश्वविद्यालयों में पीएच.डी. पाठ्यक्रमों में प्रवेश पाया जा सकता है।

सम्पर्क :– द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड फाइनेंशियल एनालिस्ट ऑफ इण्डिया, रोड नं. 3, बंजारा हिल्स, हैदराबाद।

संस्थान :– नरसी मोरजी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेन्ट स्टडी, मुम्बई।
एस.पी.एन. इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेन्ट एण्ड रिसर्च, मुम्बई।

रोजगार के अवसरः– केपिटल मार्केटिंग, केश मैनेजमेंट, स्टॉक इन्वेस्टमेंट कन्सलटेंट एण्ड एडवाइजर, फॉरेन एक्सचेंज मैनेजमेंट आदि क्षेत्रों में अपना भविष्य सुनिश्चित कर सकते हैं।

विक्रय एवं विपणन

भारतीय तथा बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के विस्तार एवं उत्पाद के विक्रय हेतु दक्ष प्रशिक्षकों की आवश्यकता महसूस की जा रही है। वर्तमान में व्यापारिक क्षेत्र में रुचि रखने वाले अधिकांश छात्रों का झुकाव इस क्षेत्र में बढ़ रहा है। राजकीय एवं निजी प्रशिक्षण संस्थाएँ विभिन्न पाठ्यक्रम आयोजित कर प्रशिक्षण प्रदान करती हैं। प्रशिक्षण पश्चात् इन संस्थाओं द्वारा रोजगार के अवसर भी उपलब्ध कराने के प्रयास किए जाते हैं।

क्र.सं.	पाठ्यक्रम	अवधि	योग्यता	चयन
1.	ग्रेजुएट डिप्लोमा इन ग्लोबल सेल्स एण्ड मार्केटिंग	2–3 वर्ष	10+2 उत्तीर्ण	प्रवेश परीक्षा एवं साक्षात्कार के आधार पर
2.	डिप्लोमा इन सेल्स एण्ड मार्केटिंग	6 माह	10+2 उत्तीर्ण	प्रवेश परीक्षा एवं साक्षात्कार के आधार पर

संस्थानः– 1. राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय, उदयपुर।

2. इंस्टीट्यूट ऑफ सेल्स एण्ड मार्केटिंग, नई दिल्ली।

3. मुम्बई विश्वविद्यालय, मुम्बई।

4. उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद।

उक्त संस्थानों के अतिरिक्त कई अन्य विश्वविद्यालय तथा निजी संस्थान भी इस तरह के पाठ्यक्रम संचालित करते हैं।

रोजगार के अवसर :–निजी व सार्वजनिक क्षेत्र की कम्पनियों में विपणन अधिकारी, विक्रय एजेन्ट आदि के रूप में कार्य किया जा सकता है।

कम्प्यूटर एप्लीकेशन

आज जिस तेजी से कम्प्यूटर का प्रचलन बढ़ रहा है। उसे देखते हुए आज के युग को कम्प्यूटर का युग कहना उचित होगा । स्कूलों में बच्चों को कम्प्यूटर की पढ़ाई पहली कक्षा से ही कराई जाने लगी है। कम्प्यूटर की बेसिक जानकारी से विद्यार्थी सरलता से किसी भी संस्थान में रोजगार प्राप्त कर सकता है। इस क्षेत्र में कई तकनीकी व व्यावसायिक पाठ्यक्रम रोजगारोन्मुखी हैं।

1. **डाटा प्रोसेसिंग एण्ड कम्प्यूटर सॉफ्टवेयरः**—यह एक वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम देश के अधिकांश आई.टी.आई.केन्द्रों पर उपलब्ध है। इस पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए आवेदक को 12वीं उत्तीर्ण होना चाहिए।

2. **ओ / ए / बी / सी / पाठ्यक्रमः**—भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग (DOEACC) के अन्तर्गत चार पाठ्यक्रम O/A/B/C कम्प्यूटर शिक्षा से संबंधित हैं। ये पाठ्यक्रम भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद द्वारा वैध हैं। इन पाठ्यक्रमों को करके रोजगार प्राप्त किया जा सकता है। 'ओ' स्तर का पाठ्यक्रम एक वर्षीय पाठ्यक्रम है, जिसे फाउण्डेशन पाठ्यक्रम कहा जाता है। कक्षा 10वीं पास करके आई.टी.आई. से एक वर्षीय सर्टीफिकेट कोर्स लेने पर 'ओ' पाठ्यक्रम में प्रवेश लिया जा सकता है। "ए" पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए "ओ" पाठ्यक्रम उत्तीर्ण करना आवश्यक है। अथवा 10वीं या 12वीं कक्षा के पश्चात् किसी पॉलीटेक्निक कॉलेज से इंजीनियरिंग का डिप्लोमा किया होना चाहिए।

   सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में संचालित विभिन्न प्रकार के कोर्सेज देश के विभिन्न मान्यता प्राप्त संस्थानों द्वारा संचालित किये जाते हैं। इनमें से कुछ अग्र अनुसार हैं—

कम्प्यूटर एजुकेशन एण्ड ट्रेनिंग डिविजन द्वारा संचालित पाठ्यक्रम

क्र. सं.	पाठ्यक्रम का नाम	अवधि	पात्रता
1.	पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन	2 वर्ष	12वीं उत्तीर्ण
2.	एडवांस डिप्लोमा इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन	1 वर्ष	12वीं उत्तीर्ण
3.	सर्टीफिकेट कोर्स इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन	3 माह	10वीं उत्तीर्ण
4.	डिप्लोमा इन कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर टेक्नोलोजी	6 माह	12वीं उत्तीर्ण
5.	सर्टीफिकेट कोर्स इन यूनिक्स सी एण्ड सी	10 सप्ताह	10वीं उत्तीर्ण
6.	सर्टीफिकेट कोर्स इन एरिया नेटवर्किंग	8 सप्ताह	10वीं उत्तीर्ण
7.	सर्टीफिकेट कोर्स इन एम.एस. ऑफिस	21 सप्ताह	10वीं उत्तीर्ण
8.	कम्प्यूटर फण्डामेंटल, एम.एस. ऑफिस एण्ड इन्टरनेट	8 सप्ताह	8वीं उत्तीर्ण

1. राष्ट्रीय इलेक्ट्रोनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, अजमेर।
2. वर्द्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा।
3. जिला ग्रामीण व्यावसायिक प्रशिक्षण एवं उद्यमकर्ता विकास केन्द्र, उदयपुर।

RS- CIT

अनेक सरकारी नौकरियों में एक आवश्यक पात्रता RS- CIT कोर्स पास है। यह एक मान्यता प्राप्त अंतर्राष्ट्रीय स्तर का परिपूर्ण कम्प्यूटर कोर्स है।

योग्यता :– 12वीं उत्तीर्ण

अवधि :– 2 से 3 माह

फीस :– 2700 रू. एक मुश्त

पाठ्यक्रम

इन्टरनेट :–

1. ई–मेल अकाउन्ट खोलना 2. ई–बुक्स पढ़ना 3. विदेशी भाषा सीखना
4. सोशल नेटवर्किंग 5. यू–ट्यूब पर विडियो देखना 6. ब्लॉग बनाना
7. फोटो का ऑनलाइन स्टोरेज

एम.एस. वर्ड :–

1. बायोडेटा 2. निमंत्रण पत्र 3. प्रोजेक्ट रिपोर्ट 4. आई कार्ड
5. विज्ञापन/नोटिस 6. लेटरहेड/एन्वेलप 7. विजिटिंग कार्ड्स

एम.एस. पावरपॉइन्ट :–

1. प्रजेन्टेशन 2. फोटो एल्बम 3. सर्टिफिकेट 4. पोस्टर
5. ग्रीटिंग्स 6. कम्पनी प्रोफाइल 7. बिजनेस प्रजेन्टेशन

एम.एस. एक्सल :–

1. बिजनेस प्लानर 2. हफ्ते के कामों की सूची 3. पॉकेट मनी प्लानिंग
4. जमा–खर्च 5. टेक्स कैल्कुलेटर 6. फोन डाटा बेस 7. डाटा विश्लेषण

राज्य कर्मचारियों को शत प्रतिशत फीस का पुनर्भुगतान एवं प्रथम प्रयास में पास करने पर प्रोत्साहन राशि भी प्रदान की जाती है।

संस्थान – RKCL से अधिकृत ज्ञान केन्द्र।

वेबसाइट – www.rkcl.in

ई–कॉमर्स और सूचना प्रणाली में कॅरियर

ई–कॉमर्स का अर्थ हैः–इलेक्ट्रोनिक संचार माध्यमों के जरिए विशेषकर इलेक्ट्रोनिक डाटा इन्टरचेंज (EDI) जैसी कागज रहित सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से व्यवसाय संचालित करना। ई–कॉमर्स के जरिए लेन–देन बिजनेस से बिजनेस (B to B) अथवा बिजनेस से ग्राहक (B to C) के बीच हो सकता है।

ई–कॉमर्स में पाठ्यक्रमः–

प्रवेश 10+2 चरण के बाद शुरु किया जा सकता है। 10+2 के उपरान्त ई–कॉमर्स में विकल्प :–

1. ई.डी.आई. और ई–कॉमर्स के प्रमाण पत्र
2. ई–कॉमर्स अनुप्रयोग कार्यक्रम
3. वेब और ई–कॉमर्स प्रौद्योगिकी में प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम
4. वेब और इंटरनेट प्रोग्रामिंग में प्रमाण पत्र

ई–कॉमर्स कॅरियर–

1. वेबसाइट डिजाइन और डवलपमेन्ट
2. विषयवस्तु डेवलपर
3. वेब प्रोग्रामिंग तथा एप्लीकेशन डेवलपर
4. डाटा बेस एडमिनिस्ट्रेटर
5. वेब मास्टर

ई–कामर्स सूचना प्रणाली में पाठ्यक्रम संचालित करने वाले संस्थान/ विश्वविद्यालय –

क्र. सं.	विश्वविद्यालय का नाम	संचालित पाठ्यक्रम	अवधि
1.	भारतीदासन विश्वविद्यालय, तिरुचिरापल्ली।	पी.जी.डी. ई–कॉमर्स	1 वर्ष
2.	इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेन्ट देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर।	बी.बी.ए. तथा एम.बी.ए. (ई–कॉमर्स)	3 तथा 2 वर्ष
3.	भुवनेश्वर इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेन्ट एण्ड इंफोरमेशन टेक्नोलॉजी, भुवनेश्वर	ई–कॉमर्स के साथ एम.बी.ए.	2 वर्ष
4.	डॉ.बी.आर. अम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा।	बी. ई. कॉमर्स	3 वर्ष
5.	मुम्बई विश्वविद्यालय, मुम्बई।	डिप्लोमा इन ई.कॉमर्स	1 से 2 वर्ष
6.	मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर।	एम.आई.बी.	2 वर्ष

नासा में कॅरियर

नासा की स्थापना 1 अक्टूबर 1958 में हुई । इसका मुख्यालय वाशिंगटन डी. सी. में स्थित है। यह संस्थान अन्तरिक्ष यात्रा, एयरोनोटिक्स, अन्तरिक्ष विज्ञान और अन्तरिक्ष प्रयोगों में विशिष्ट वैज्ञानिक और तकनीकी विशेषज्ञों की सहायता से अनुसंधान पर काम करता है। यह संस्थान अलग–अलग कौशल और रुचि रखने वाले लोगों को रोजगार उपलब्ध करवाता है। इसमें अकाउंटिंग से लेकर प्राणीशास्त्र तक सम्मिलित हैं। नासा में वैज्ञानिक, इंजीनियर, कम्प्यूटर प्रोग्रामर, पर्सनल स्पेशलिस्ट, अकाउंटेंट, लेखक, मेंटिनेन्स वर्कर और बहुत से अलग तरह के काम करने के अवसर उपलब्ध हैं।

नासा में प्रवेश के माध्यम :–नासा गैर–अमरीकी नागरिकों के लिए प्रशिक्षण या इन्टर्नशिप प्रोग्राम आयोजित करता है। जिसकी जानकारी नासा के प्रत्येक सेन्टर की वेबसाइट पर उपलब्ध होती है, इसकी मुख्यतः 4 इन्टर्नशीप होती हैं।

1. केलटेक पोस्ट डॉक्टरल स्कॉलर एट जेट प्रॉपेल्सन लेबोरेट्री।

   Rowena Dineros E-Mail : rowena.c.dineros@jpl.nasa.gov

2. नासा अकादमी–यह उच्च प्रेरित और सफल अण्डर ग्रेजुएट और ग्रेजुएट छात्रों के लिए समर प्रोजेक्ट आयोजित करता है।

   David Rosege, Goddard Space Flight Center

   E-Mail : david.j.rosege@nasa.gov

3. इन्टरनेशनल स्पेस यूनिवर्सिटी।

   Linda Rodgers, jet-propulsion Laboratory

   E-Mail : linda.l.rodgers@ nasa.gov

4. जेट प्रॉपेल्सन लेबोरेट्री पोस्ट डॉक्टरल एसोशिएट प्रोजेक्ट

   E-Mail : Carol.s.hin@jpl.nasa.gov

इसके अतिरिक्त छात्र नासा द्वारा समय–समय पर आयोजित कॉन्टेस्ट, कॉम्पीटिशन व अवार्ड के माध्यम से भी नासा में प्रवेश ले सकते हैं। इसकी सूचना निम्न वेबसाइट से प्राप्त कर सकते हैं–

http://www.nasa.gov/audience/forstudents/index.html

राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (N.D.A.) में प्रवेश हेतु परीक्षा

सेना में अपना भविष्य तलाशने वाले युवाओं के लिए एनडीए यानि नेशनल डिफेंस अकादमी परीक्षा एक बेहतर विकल्प है। यह एक प्रतिष्ठित विकल्प है जो कि रौबीली वर्दी, देश–भक्ति और साथ–साथ अनुशासित जीवन सभी कुछ प्रदान करता है। एनडीए परीक्षा के माध्यम से सेना के विभिन्न डिविजनों, जैसे थल सेना, नौ सेना और वायु सेना में प्रवेश पाया जा सकता है। इसमें प्रवेश हेतु विज्ञापन राष्ट्रीय रोजगार समाचार एवं अन्य समाचार पत्रों के माध्यम से वर्ष में 2 बार सामान्यतः मई तथा नवम्बर माह में जारी किया जाता है।

प्रवेश :–लिखित परीक्षा के परिणाम के बाद बौद्धिक एवं व्यक्तित्व परीक्षा का आयोजन सर्विस सलेक्शन बोर्ड द्वारा चुने जाने पर प्रवेश दिया जाता है।

आयु –कम से कम 17 वर्ष। ऊँचाई 157.5 सेमी से 162.5 सेमी। दृष्टि 6/6 होनी चाहिए।

शैक्षिक योग्यता :– थल सेना हेतु 10+2 उत्तीर्ण (कला, विज्ञान, वाणिज्य) वायु सेना एवं नौ सेना हेतु 10+2 (गणित, भौतिकी, रसायन)। कक्षा 12 में प्रविष्ट छात्र भी आवेदन कर सकते हैं। लेकिन उन्हें दी गई तिथि तक उनके द्वारा कक्षा 12 उत्तीर्ण करने का प्रमाणीकरण देना होगा।

लिंग व वैवाहिक स्थिति :–केवल अविवाहित पुरुष

प्रशिक्षण:–चयन उपरान्त राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) खड़गवासला, पूना में प्रशिक्षण।

सम्पर्क:–सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली।

वेबसाइट:– www.upsc.gov.in

आवेदन:–रोजगार समाचार पत्र में प्रकाशित आवेदन पत्र के द्वारा आवेदन करना चाहिए। रोजगार समाचार पत्र में प्रकाशित आवेदन पत्र को स्वयं की लिखाई में भरकर प्रेषित किया जा सकता है अथवा सादे कागज पर टाइप करवाकर किया जा सकता है।

रोजगार के अवसर:–एनडीए में चयन होने के पश्चात् 3 वर्ष की ट्रेनिंग होती है। तत्पश्चात् एक सैन्य अधिकारी के रूप में प्रतिष्ठित रोमांचकारी, अनुशासित और आर्थिक रूप से

सुदृढ़ भविष्य आरंभ किया जा सकता है।

राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा (N.T.S.E.)

मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा केन्द्र प्रवर्तित योजना राष्ट्रीय प्रतिभा खोज योजनान्तर्गत छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा के लिये राज्य स्तर पर योग्य परीक्षार्थियों के चयन हेतु माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर द्वारा परीक्षा का आयोजन किया जाता है। प्रथम स्तर पर चयनित 234 विद्यार्थी राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित द्वितीय स्तर परीक्षा में सम्मिलित होने के पात्र होते हैं। जिनकी द्वितीय स्तर की परीक्षा NCERT नई दिल्ली द्वारा ली जाती है। द्वितीय स्तर में चयनित छात्रों को पीएच.डी. स्तर तक प्रतिमाह रू. 500/–छात्रवृत्ति दी जाती है।

पात्रता :–

राष्ट्रीय प्रतिभा खोज (प्रथम स्तर) की परीक्षा में राज्य में स्थित मान्यता प्राप्त सभी राजकीय/निजी/केन्द्रीय/नवोदय विद्यालयों के कक्षा–10 में अध्ययनरत वे विद्यार्थी सम्मिलित हो सकते हैं, जिन्होंने कक्षा–9 में हिन्दी, अंग्रेजी, विज्ञान, गणित, सामाजिक विज्ञान एवं संस्कृत/तृतीय भाषा विषयों में समग्र रूप से न्यूनतम 55 प्रतिशत अंक प्राप्त किये हों। आरक्षित वर्ग (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति एवं निःशक्तजन) हेतु न्यूनतम अंकों की सीमा 50 प्रतिशत होती है।

परीक्षा विधि :–यह परीक्षा एक ही दिन में निरन्तर तीन सत्रों में आयोजित होती है।

प्रथम सत्र बौद्धिक योग्यता परीक्षा (MAT)

द्वितीय सत्र भाषा योग्यता परीक्षा (LCT)

तृतीय सत्र शैक्षिक योग्यता परीक्षा (SAT)

इस परीक्षा में उत्तर गलत होने पर प्राप्तांकों से अंक नहीं (No Negative Marking) काटे जाते हैं।

परीक्षा शुल्कः–

श्रेणी	बिना विलम्ब शुल्क	विलम्ब शुल्क सहित
(अ) सामान्य अभ्यर्थी हेतु	100/– रु.	120/– रु.
(ब) अनु.जाति/ अनु.जनजाति/ निःशक्तजन अभ्यर्थी हेतु	70/– रु.	90/– रु.

आवेदन करने की प्रक्रिया :–

परीक्षा के आवेदन पत्र माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, अजमेर की वेबसाईट www.rajeduboard.nic.in तथा NCERT नई दिल्ली की वेबसाईट www.ncert.nic.in से डाउनलोड कर उपयोग में लिये जा सकते हैं। परीक्षा आवेदन पत्र की फोटोप्रति भी उपयोग में ली जा सकती है।

आवेदन पत्र में दिये गये निर्देशानुसार छात्र उसमें वांछित सभी प्रविष्टियों की पूर्ति कर साथ में सक्षम अधिकारी द्वारा प्रदत्त आवश्यक प्रमाण पत्र यथा–जाति प्रमाण पत्र, निःशक्तता का प्रमाण पत्र एवं परीक्षा शुल्क नकद निर्धारित तिथि तक अपने शाला प्रधान को जमा कराना होता है।

आवेदन पत्र में दी गई किसी गलत सूचना के लिये आवेदक ही जिम्मेदार होता है।

नेशनल मीन्स कम मेरिट स्कॉलरशिप (N.M.M.S.)

मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा केन्द्र प्रवर्तित योजना नेशनल मीन्स कम मेरिट छात्रवृत्ति प्रारंभ की गई हैं। NMMS परीक्षा के माध्यम से भारत सरकार द्वारा सम्पूर्ण भारत में कक्षा 8 में अध्ययनरत एक लाख ऐसे विद्यार्थियों को चार वर्षों तक छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है, जिनके अभिभावकों की सभी स्रोतों से वार्षिक आय 1,50,000/–रू. से अधिक नहीं हो।

छात्रवृत्तियाँ– राजस्थान में कुल 5471 विद्यार्थियों को प्रति माह 500/–रु. की दर से छात्रवृत्ति कक्षा 9 से 12 तक नियमित रूप से अध्ययनरत रहने पर भारत सरकार द्वारा निर्धारित मानदण्ड एवं शर्तों के पूर्ण होने पर अधिकतम 4 वर्षों तक प्रदान की जाती है। इसमें आरक्षण नियमानुसार होता है।

परीक्षा योजना :–NMMS परीक्षा कक्षा 8 में अध्ययनरत विद्यार्थियों हेतु आयोजित की जाती है। यह परीक्षा दो भागों में ली जाती हैः–

1. मानसिक योग्यता परीक्षण 2. शैक्षिक योग्यता परीक्षण

प्रत्येक परीक्षण 90 प्रश्न, 90 अंक एवं 90 मिनट का होता है। विद्यार्थी को पहले मानसिक योग्यता परीक्षण का प्रश्न पत्र एवं उत्तर पत्रक दिया जाता है। प्रथम प्रश्न पत्र की समाप्ति के बाद पांच मिनट अन्तराल में शैक्षिक योग्यता परीक्षा का उत्तर पत्रक एवं 15 मिनट बाद प्रश्न पत्र दिया जाता है।

पाठ्यक्रमः– परीक्षा का पाठ्यक्रम कक्षा 7 एवं 8 के स्तर का होता है। सामान्य वर्ग हेतु न्यूनतम **उत्तीर्णांक** (सेट व मेट मिलाकर) 40 प्रतिशत व अनुसूचित जाति व जनजाति हेतु 32 प्रतिशत निर्धारित होते हैं।

परीक्षा में सम्मिलित होने हेतु पात्रताः–

- वे विद्यार्थी जिन्होंने कक्षा 7 में हिन्दी, अंग्रेजी, विज्ञान, गणित, सामाजिक विज्ञान एवं संस्कृत/तृतीय भाषा विषयों में समग्र रूप से सामान्य वर्ग हेतु न्यूनतम 55 प्रतिशत अंक प्राप्त किये हों। अनुसूचित जाति/जनजाति हेतु यह सीमा 50 प्रतिशत रहती है।
- वर्तमान में केवल राजकीय विद्यालय में 8वीं कक्षा में अध्ययनरत होना चाहिए।

छात्रवृत्ति प्राप्त करने हेतु अर्हताएँ :–

- कक्षा 8 से 12 तक राजकीय विद्यालय या स्थानीय निकाय के विद्यालय में नियमित रूप से अध्ययनरत होना चाहिए।
- सामान्य वर्ग के विद्यार्थी द्वारा कक्षा 8, 9 एवं 11 स्थानीय परीक्षा में 55 प्रतिशत तथा कक्षा 10 बोर्ड परीक्षा में 60 प्रतिशत प्राप्तांक प्रथम प्रयास में अर्जित किए होने चाहिए। SC/ST के विद्यार्थियों के लिए प्राप्तांकों में 5 प्रतिशत की छूट है।

जो विद्यार्थी उक्त परीक्षा में प्रवेश हेतु निर्धारित शर्तों के अनुसार पात्रता रखते हों और जो प्रविष्ट होना चाहें वे आवेदन पत्र अपने जिले के किसी भी परीक्षा केन्द्र के केन्द्राधीक्षक से निःशुल्क प्राप्त कर सकते हैं। वहाँ उक्त परीक्षा के आवेदन पत्र सामान्यतः जुलाई माह के प्रथम सप्ताह तक उपलब्ध हो जाते हैं।

परीक्षार्थी द्वारा आवेदन पत्र संस्था प्रधान के पास जमा कराने की अंतिम तिथि एवं संस्था प्रधान द्वारा भरे हुए आवेदन पत्र व परीक्षा शुल्क राशि केन्द्र पर पहुँचाने की अंतिम तिथि आदि की जानकारी प्रमुख समाचार पत्रों एवं शिविरा पत्रिका में राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, उदयपुर द्वारा विज्ञप्ति से प्राप्त की जा सकती है।

इससे संबंधित और अधिक जानकारी के लिए शिक्षा विभाग की वेबसाइट www.rajshiksha.gov.in से प्राप्त की जा सकती है।

राज्य विज्ञान प्रतिभा खोज परीक्षा

राज्य विज्ञान प्रतिभा खोज परीक्षा का आयोजन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग राजस्थान सरकार, जयपुर के तत्वावधान में माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान अजमेर द्वारा किया जाता है।

पात्रता :–इस परीक्षा में वे छात्र–छात्राऐं ही भाग ले सकते हैं, जो राज्य में स्थित किसी मान्यता प्राप्त विद्यालय (केन्द्रीय, पब्लिक, नवोदय, कॉन्वेंट, निजी, सरकारी, अर्द्ध सरकारी सहित) में उस सत्र में कक्षा–10 में नियमित रूप से अध्ययनरत हो तथा जिन्होंने पिछले सत्र में कक्षा 9 में विद्यालयी परीक्षा में 50 प्रतिशत या अधिक अंक प्राप्त किये हों।

पाठ्यक्रम :–निम्न विषयों में राज्य प्रतिभा खोज परीक्षा आयोजित की जाती है।–

1. भौतिक विज्ञान 2. रसायन विज्ञान 3. जीव विज्ञान
4. गणित 5. दिन–प्रतिदिन विज्ञान 6. विज्ञान संबंधी सामान्य ज्ञान

परीक्षा का प्रकार :–

1. प्रत्येक विषय में 25–25 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होते हैं।
2. इन प्रश्नों की संख्या 150 होती है।
3. प्रश्नों के उत्तर, प्रश्न पत्र के साथ दी गई ओ.एम.आर. शीट पर देने होते हैं। परीक्षोपरान्त यह शीट वापस परीक्षा स्थल पर ही (केन्द्र पर) लौटानी होती है।
4. इस प्रश्न पत्र की अवधि 120 मिनट होती है।
5. प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का है। इस प्रकार प्रश्न पत्र का पूर्णांक 150 होता है।

परिणाम एवं पुरस्कार :–इस परीक्षा के परिणाम दो प्रकार से घोषित किये जाते हैं। (1) राज्य स्तरीय योग्यता सूची में राज्य भर में 20 श्रेष्ठ छात्र/छात्राओं का चयन होता है। और उन्हें विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा जयपुर में आयोजित विशेष पुरस्कार वितरण/अलंकरण समारोह में सम्मिलत किया जाता है। इस परीक्षा में प्रथम स्थान पाने वाले छात्र/छात्रा को रूपये 4000/–नकद एवं विशेष योग्यता प्रमाण पत्र व योग्यता गौरव पदक दिया जाता है तथा शेष 19 छात्रों को प्रत्येक को रु. 2000/–नकद व योग्यता प्रमाण–पत्र से सम्मानित किया जाता है।

(2) जिला स्तर पर प्रत्येक जिले में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले अभ्यर्थी को रु. 2000/–तथा द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले अभ्यर्थी को रू. 1000/–बोर्ड द्वारा दिये जाते हैं।

परीक्षा शुल्क (प्रति परीक्षार्थी)

श्रेणी	बिना विलम्ब शुल्क	विलम्ब शुल्क सहित
(अ) सामान्य अभ्यर्थी हेतु	85/– रु.	110/– रु.
(ब) अनु.जाति/अनु.जनजाति अभ्यर्थी हेतु	60/– रु.	85/– रु.
(स) निःशक्त जन अभ्यर्थी	निःशुल्क	निःशुल्क

उक्त परीक्षा शुल्क के अतिरिक्त प्रति परीक्षार्थी अग्रेषण शुल्क रु. 5.00/ अलग से देना होता है।

परीक्षा के आवेदन पत्र माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, अजमेर की वेबसाइट www.rajeduboard.nic.in से डाउनलोड कर उपयोग में लिये जा सकते हैं। परीक्षा आवेदन पत्र की फोटो प्रति भी उपयोग में ली जा सकती है।

किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना

बेसिक साइंस, इंजीनियरिंग व मेडिसिन के क्षेत्र में प्रतिभाशाली छात्रों को पहचानने व उन्हें शोध के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 1999 से किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना शुरू की गई ।

बेसिक साइंसेज

एस.ए. व एस.पी. (10वीं व उसके बाद) के लिए मासिक फैलोशिप 5,000 रु. व वार्षिक आकस्मिक निधि 20,000 रु.।

एस. बी. (बी.एससी. व इन्टीग्रेटेड एम.एससी. के 1 से 3 वर्ष) मासिक फैलोशिप 7,000 रु. व वार्षिक आकस्मिक निधि 28,000 रु.।

योग्यता –

1. एस.ए. स्ट्रीम :– बेसिक साइंसेज के लिए छात्र 11वीं (विज्ञान विषय) कक्षा में हो तथा 10वीं में विज्ञान व गणित विषय में 80 प्रतिशत (70 प्रतिशत एस.सी./एस. टी.) अंक प्राप्त किये हों)

2. एस.बी. स्ट्रीम :–छात्र बेसिक साइंसेज के बी.एससी. डिग्री (यू.जी. प्रोग्राम) में अध्यनरत हों। 12वीं में गणित व विज्ञान 60 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण (50 प्रतिशत एस. सी./एस.टी.) प्राप्त किए हों।

3. एस.एक्स. स्ट्रीम :–छात्र बेसिक साइंसेज के बी.एससी. डिग्री (यू.जी. प्रोग्राम) में अध्यनरत हो। 10वीं में गणित व विज्ञान 80 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण (70 प्रतिशत एस. सी./एस.टी./निःशक्त) की हो। 12वीं में गणित व विज्ञान 60 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की हो। (50 प्रतिशत एस.सी./एस.टी./निःशक्त)।

वेबसाइटः– www.kvpy.org.in

(आवेदक हार्डकॉपी या ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।)

नेशनल लेवल साइंस टेलेन्ट सर्च एक्जामिनेशन

(यूनिफाइड काउंसिल)

उद्देश्यः– यह वैज्ञानिक रूप से तैयार डाइग्नोस्टिक टेस्ट है, जो कि छात्र के शैक्षिक अवबोध को सुधारने में मदद करता है। यह छात्र को जानने में मदद करता है कि उसने किस विचारधारा को कितना समझा। साथ ही यह उस विषय में विस्तृत जानकारी भी देता है।

पात्रः– कक्षा 3 से 12वीं तक अध्ययनरत विद्यार्थी ।

राशिः–प्रत्येक कक्षा में प्रथम स्थान पाने वाले को 2 लाख रुपये, मेडल व प्रतीक चिन्ह दूसरा व तीसरा स्थान पाने वाले को टेबलेट, मेडल और मोमेन्टो व प्रत्येक कक्षा (3–6 और 10 व 12) के अगले 7 रैंकर (4 से 10वें) को 1000 रु. नकद व कक्षा 7, 8, 9 व 11वीं के अगले 7 रैंकर (4 से 10वें) को एम्बीशन IIT / AIEEE की 1500 रु. की अध्ययन सामग्री दी जाती है।

कक्षा 3 से 10वीं के 15 रैंकर (11 से 25 तक) को 500 रु. का नकद पुरस्कार। इसके अलावा सभी टॉपर को ब्रिटानिया एनसाइक्लोपिडिया का 995 रु. का सी.डी. पैक तथा 26 से 100 रेंक लाने वाले को ब्रिटानिया एनसाइक्लोपिडिया का 995 रु. का सी.डी. पैक, ब्रेन मेपिंग एकेडमी की टेलेन्ट एक्जाम रिसोर्स बुक प्रदान की जाती है।

7वीं, 9वीं व कक्षा 11 के 26 से 100वीं रेंक वालों को एम्बीशन IIT / AIEEE की विषय अध्ययन सामग्री पर 50 प्रतिशत की छूट मिलती है। इसके अलावा सांत्वना पुरस्कार भी दिया जाते हैं।

प्रक्रिया – स्कूल 150 / 200 रू. प्रति छात्र की फीस देकर इस परीक्षा में सम्मिलित हो सकते हैं। छात्र अपने स्तर पर भी इस परीक्षा में शामिल हो सकते हैं।

संपर्क – यूनिफाइड काउंसिल 1–बी. सलीम नगर मलकपेट, हैदराबाद।

वेबसाइट– www.unifiedcouncil.com

इनिशिएटिव इन रिसर्च एंड इनोवेशन इन साइंस

उद्देश्यः– भारतीय छात्रों में खोज और आविष्कार को बढ़ावा देने के लिए।

पात्रः– गणित व विज्ञान विषय से जुड़े स्कूली छात्रों के लिए।

राशिः– राशि के संबंध में निर्णय ''इंटेल इंटरनेशनल'' द्वारा लिया जाता है।

प्रक्रिया– आई.आर.आई.एस. दो विज्ञान प्रोग्रामों का मेल है।

''इंटेल साइंस टेलेन्ट डिस्कवरी फेयर'' सी.आई.आई.डी.एस.टी. ''स्टीयर दी बिग आइडिया'' इसमें शामिल होने वाला प्रतियोगी दिसम्बर में होने वाले नेशनल लेवल फेयर के माध्यम से चयनित किये जाते हैं। नेशनल फेयर में चयनित प्रोजेक्ट को इंटरनेशनल साइंस फेयर में प्रस्तुत किया जाता है। नेशनल लेवल के विजेता इंटेल इंटरनेशनल साइंस एंड इंजीनियरिंग फेयर (आई.एस.ई.एफ.) और इंटरनेशनल एक्जीबिशन फॉर यूथ इंवेस्टर्स (आई.ई.वाई.आई.) में भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं।

वेबसाइट – http:// www.Intel.com/cd/corporate/education

CSIR डायमण्ड जुबली इन्वेंशन

(अवार्ड फोर स्कूल चिल्ड्रन)

क्यों?

स्कूली विद्यार्थियों में बौद्विक संपदा अधिकार के प्रति जागरूकता, अभिरुचि व उत्साह जगाना।

किसे?

18 वर्ष से कम आयु के भारतीय स्कूलों में अध्ययनरत विद्यार्थी।

राशि– कुल 30 पुरस्कारों में प्रमाण पत्र के अलावा नकद राशि दी जाती है। इसके पहले पुरस्कार का विजेता WIPO के युवा आविष्कारक पुरस्कार के लिए पात्र माना जाता है।

प्रथम पुरस्कार	(1)	1,00000 रू.	
द्वितीय पुरस्कार	(2)	50,000 रू.	(प्रत्येक)
तृतीय पुरस्कार	(3)	30,000 रू.	(प्रत्येक)
चतुर्थ पुरस्कार	(4)	20,000 रू.	(प्रत्येक)
पंचम पुरस्कार	(20)	10,000 रू.	(प्रत्येक)

प्रक्रिया– आवेदक को पुरस्कार के लिए जमा करवाए जाने वाले आविष्कार के साथ उसका वर्णन हिन्दी या अंग्रेजी में करना चाहिए, जो 5000 शब्दों से ज्यादा का न हो। इसे अपने विद्यालय के संस्था प्रधान के माध्यम से भिजवाएँ। इसके साथ अलग पृष्ठ पर विद्यार्थी को आविष्कार का नाम, अपना नाम, जन्म तिथि, स्कूल व निवास का पता, कक्षा, दूरसंचार नम्बर व ई–मेल का पता आदि लिखकर भेजना चाहिए।

संपर्क– चीफ इन्वेंशन प्रोटेक्शन यूनिट,

सी.एस.आई.आर., NISCAR बिल्डिंग–14

सत्संग विहार मार्ग, विशेष संस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली।

वेबसाइट– www.csir.res.in

एच.बी.सी.एस.ई. ओलम्पियाड

होमी भाभा सेन्टर फोर साइंस एजुकेशन गणित व विज्ञान विषयों के ओलम्पियाड कार्यक्रमों के लिये देश का प्रमुख अधिकृत केन्द्र है। इस कार्यक्रम का उद्धेश्य प्री यूनिवर्सिटी छात्रों को विज्ञान व गणित में दक्ष बनाना है।

मैथेमेटिक्स ओलम्पियाड नेशनल बोर्ड ऑफ हायर मैथेमेटिक्स के संरक्षण में आयोजित किया जाता है। डिपार्टमेन्ट ऑफ एनाटोमिक द्वारा स्थापित नई नेशनल स्टीयरिंग कमेटी विज्ञान व एस्ट्रोनोमी ओलम्पियाड विषयों से संबंधित सभी गतिविधियों का निरीक्षण करती है। फिजिक्स, केमेस्ट्री, बायोलोजी, एस्ट्रोनोमी और जूनियर साइंस क्षेत्र शामिल हैं। इसके प्रमुख चरण निम्नानुसार हैं–

1. प्रत्येक विषय का पहला चरण इंडियन एसोसिएशन ऑफ फिजिक्स टीचर्स (आई.ए.पी.टी.) के द्वारा आयोजित किया जाता है।
2. शेष चरणों की व्यवस्था होमीभाभा सेन्टर फॉर साइंस एजुकेशन करता है।
3. आर्थिक रूप से सहायता देने का कार्य बी.आर.एन.एस.डी.ए.ई., डिपार्टमेन्ट ऑफ साइंस एण्ड टेक्नोलोजी, डिपार्टमेन्ट ऑफ स्पेस और मिनिस्ट्री ऑफ ह्यूमन रिसोर्स डवलपमेन्ट करते हैं।

उपर्युक्त विषयों का पाठ्यक्रम सी.बी.एस.ई. सीनियर सैकण्डरी के समान होता है।

गणित के लिए– सेन्टर डायरेक्टर, होमीभाभा सेन्टर फॉर साइंस एजुकेशन
वी.एन.पूर्व मार्ग मनखुर्द मुम्बई।

अपने पत्र या ई–मेल में छात्र का नाम, आयु, लिंग, पता, पिनकोड, टेलीफोन या फैक्स न., स्कूल या कॉलेज का नाम जिसमें अध्ययनरत हो, लिखना होता है। इन सभी परीक्षाओं में पंजीकरण की अंतिम तिथि आमतौर पर 15 सितम्बर होती है। परीक्षाएँ नवम्बर माह के अंतिम सप्ताह में होती हैं।

वेबसाइट–www.iapt.org.in

खुला विश्वविद्यालय

वर्तमान समय में हर व्यक्ति अपनी शैक्षिक योग्यता में अभिवृद्धि करना चाहता है। नौकरी या घर संबंधी परेशानी होने से की वजह से वह नियमित पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने में असमर्थ रहता है। ऐसे में खुला विश्वविद्यालय द्वारा पत्राचार पाठ्यक्रम उसके लिए एक बेहतर विकल्प है। ये विश्वविद्यालय स्नातक, स्नातकोत्तर, डिप्लोमा, सर्टिफिकेट, एम.फिल और पीएच.डी. के साथ कई तरह के पाठ्यक्रम भी करवाते हैं।

1. इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, दिल्ली

website - www.ignon.ac.in

स्नातकः—कला, टूरिज्म, हॉस्पिटीलिटी एडमिस्ट्रेशन, बी.बी.ए, वाणिज्य, फाइनेंस एवं टेक्सेशन, बी.सी.ए, बी.एड., पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान तथा सामाजिक कार्य आदि।

बी.ई.:—कम्प्यूटर साइन्स, इलेक्ट्रोनिक्स, इलेक्ट्रीकल, आई.टी. आदि।

बी.एससी.:—ऑप्टोमेट्री एवं ऑथ्थैल्मिक टेक्नीक, हॉस्पीटीलिटी एवं होटल मैनेजमेंट आदि।

2. वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा

website - www.vmou.ac.in

स्नातकः—कला, वाणिज्य, पत्रकारिता एवं जनसंचार तथा बी.एड. आदि।

सर्टिफिकेटः— कम्प्यूटर प्रोगामिंग, फूड एवं न्यूट्रीशन आदि।

3. कर्नाटक राज्य खुला विश्वविद्यालय, मैसूर

website - www.ksoumysore.com

स्नातकः—कला, वाणिज्य, बी.एड. आदि।

डिप्लोमाः—पोषण एवं स्वास्थ्य शिक्षा आदि।

4. नेताजी सुभाष खुला विश्वविद्यालय, कोलकाता

website - www.wbnsou.ac.in.

स्नातकः—बांग्ला, अंग्रेजी, इतिहास, अर्थशास्त्र, राजनीतिविज्ञान, लोक प्रशासन, समाजशास्त्र, वाणिज्य, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, कम्प्यूटर अनुप्रयोग, भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित, वनस्पतिशास्त्र, प्रीपेरेटरी प्रोग्राम आदि।

5. डॉ.बाबासाहेब अम्बेडकर खुला विश्वविद्यालय, अहमदाबाद

website - www.baou.org

स्नातकः— कला, वाणिज्य आदि।

सर्टिफिकेटः— फूड एवं न्यूट्रीशन, टूरिज्म मार्केटिंग आदि।

6. बी.आर. अम्बेडकर खुला विश्वविद्यालय, हैदराबाद

website- www.braou.ac.in

स्नातकः— पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, लोक प्रशासन, कला, वाणिज्य, विज्ञान, होटल प्रबन्धन आदि।

7. मध्य प्रदेश भोज खुला विश्वविद्यालय, भोपाल

website - www.bhojvirtualuniversity.com

स्नातकः—कला, बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, वाणिज्य, कम्प्यूटर अनुप्रयोग, बी.एड., पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, विज्ञान डिजाइन व फैशन तकनीक, सूचना तकनीक, गणित, नर्सिंग आदि।

8. यूपी राजर्षि टंडन खुला विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

www-uprtou.ac.in

स्नातकः—कला, वाणिज्य, पर्यटन, विज्ञान, कम्प्यूटर अनुप्रयोग, एकल विषय में दक्षता आदि।

जागरूकता पाठ्यक्रमः—पंचायतीराज, योग, डेयरी फार्मिंग आदि।

9. नालंदा खुला विश्वविद्यालय, पटना

website- www.nalandaopenuniversity.com

स्नातकः—अर्थशास्त्र, हिन्दी, इतिहास, मनोविज्ञान, सामाजिक कार्य, भूगोल, पर्यटन, गृहविज्ञान, वनस्पतिशास्त्र, रसायन विज्ञान, गणित, वाणिज्य, कम्प्यूटर अनुप्रयोग, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान आदि।

10 यशवंत राव चव्हाण महाराष्ट्र खुला विश्वविद्यालय, नासिक

www-ycmou.com

स्नातकः— कला, विज्ञान, वाणिज्य, बी.एड., पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, बागवानी आदि।

उच्च शिक्षा हेतु शैक्षिक ऋण

वर्तमान समय में हर आदमी अपने बच्चों को उच्च व बेहतर शिक्षा दिलवाना चाहता है। कई बार आर्थिक स्थिति इसके लिए उसे पर्याप्त नही लगती है। ऐसी स्थिति में बैंक ऋण उसके लिए बेहतर उपाय है। कई बैंक इस तरह का ऋण देते हैं जिनमें से निम्न उल्लेखनीय हैं:–

(1) H.D.F.C. Bank

योग्यता:–छात्र भारत का निवासी हो जिसने बैंक द्वारा मान्य कोर्स व यूनिवर्सिटी में प्रवेश लिया हो।

आयु:–16 से 35 वर्ष हो।

कोर्स:–मैनेजमेंट कोर्स (पार्ट टाइम/फूल टाइम), इंजीनियरिंग में पी.जी. (राजकीय/प्राइवेट) ग्रेजुएशन (MBBS+MS) आदि।

कम्प्यूटर :– (MCA+MEM) फाइन आर्ट और डिजाइनिंग, आर्किटेक्चर, होटल एवं हॉस्पिटेलिटी, एग्रीकल्चर साइंसः–(B.Sc./M.Sc.) वाणिज्य, एयर होस्टेस आदि।

खर्च:–कॉलेज/स्कूल, हॉस्टल की फीस, एक्जामिनेशन, लाइब्रेरी एवं लेबोरेटरी फीस, किताबें, उपकरण, यूनिफार्म, कॉशन डिपोजिट, बिल्डिंग फण्ड, रिफन्डेबल डिपोजिट, कम्प्यूटर (कोर्स के लिए जरूरी हो) 50,000 तक का टू–व्हीलर, स्टडी ट्यूर, प्रोजेक्ट वर्क, थीसीस आदि।

उच्चतम सीमा:–अधिकतम 15 लाख

ब्याज दर:– 13 प्रतिशत से 14 प्रतिशत प्रतिवर्ष (परिवर्तनशील)

सिक्योरिटी:–7.50 लाख तक कोई डिपोजिट नही, उससे ऊपर की राशि पर फिक्स डिपोजिट या सम्पत्ति।

ऋण भुगतान:– कोर्स पूरा होने के एक वर्ष बाद/नौकरी मिलने के 6 महीने बाद।

(2) पंजाब नेशनल बैंक

योग्यता:–उपर्युक्त वर्णित

कोर्स:– उपर्युक्त वर्णित

खर्च:– उपर्युक्त वर्णित खर्च

उच्चतम सीमाः—10 लाख

ब्याज दरः—(अनुमानित) 4 लाख तक 11.50 प्रतिशत प्रतिवर्ष, 4 लाख से अधिक पर 12.50 प्रतिशत (परिवर्तनशील)

सिक्योरिटीः— उपर्युक्त वर्णित

ऋण भुगतानः— कोर्स की अवधि के एक वर्ष बाद या नौकरी मिलने के छः महीने बाद जो भी पहले हो।

(3) इलाहबाद बैंक

योग्यताः—भारत का नागरिक हो तथा उसने प्रवेश परीक्षा/मेरिट के आधार पर किसी प्रोफेशनल/टेक्नीकल कोर्स में प्रवेश लिया हो।

कोर्सः—ग्रेजुएशन, पोस्ट ग्रेजुएशन कोर्स, मास्टर्स और पीएच.डी., प्रोफेशनल कोर्स आदि। यूजीसी/सरकार/एआईसीटीई द्वारा मान्यता प्राप्त हो।

(4) स्टेट बैंक

योग्यताः—भारतीय नागरिक हो और उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहा हो या प्रवेश सुरक्षित किया हो।

कोर्सः—ग्रेजुएशन/पोस्ट ग्रेजुएशन कोर्स/प्रोफेशनल/टेक्नीकल कोर्सेज यूजीसी/सरकार/एआईसीटीई द्वारा मान्यता प्राप्त हो।

खर्चः—कॉलेज/स्कूल, हॉस्टल की फीस, एक्जामिनेशन लाइब्रेरी, लेबोरेटरी फीस, किताबें, उपकरण, यूनिफार्म, कॉशन डिपोजिट, बिल्डिंग फण्ड, रिफन्डेबल डिपोजिट, कम्प्यूटर (कोर्स के लिए जरूरी हो) 50,000 तक का टू—व्हीलर,, स्टडी ट्यूर, प्रोजेक्ट वर्क, थीसीस आदि।

उच्चतम सीमाः—10 लाख

ब्याज दरः—4 लाख 11.75 प्रतिशत, 4 लाख से अधिक 7.50 तक 13.25 प्रतिशत तथा 7.50 लाख से अधिक 12.25 प्रतिशत (परिवर्तनशील)

सिक्योरिटीः—4 लाख तक कोई नहीं, 4 से 7.50 लाख तक थर्ड पार्टी गारंटी, यदि माता—पिता की सम्पति से बैंक सन्तुष्ट हो तो थर्ड पार्टी की जरूरत नहीं। 7.50 लाख से अधिक होने पर माता/पिता/संरक्षक द्वारा संरक्षित किया जाये।

ऋण भुगतानः—कोर्स पूरा होने के एक वर्ष या नौकरी लगने के छः महीने बाद तक जो भी कम हो अधिकतम 5 से 7 वर्षों में।

नोटः—ब्याज दरों व शर्तों हेतु संबंधित बैंक से सम्पर्क किया जा सकता है।

(5) बैंक ऑफ बड़ौदा

योग्यताः—भारतीय छात्र जिसने बैंक द्वारा मान्यता प्राप्त किसी कोर्स में प्रवेश लिया हो।

कोर्सः— उपर्युक्त वर्णित

उच्चतम सीमाः—10 लाख

नोटः—ब्याज दरों एवं शर्तों हेतु संबंधित बैंक से सम्पर्क करें।

ब्याज दरः—4 लाख तक 10.50 प्रतिशत प्रतिवर्ष

4 लाख से अधिक पर 12.50 प्रतिशत प्रतिवर्ष

सिक्योरिटीः— उपर्युक्त वर्णित

ऋण भुगतानः—कोर्स की अवधि के एक वर्ष बाद या नौकरी मिलने के छः महीने बाद।

आवश्यक दस्तावेज : ऋण स्वीकृति हेतु निम्नांकित दस्तावेज आवश्यक हैं—

1. अन्तिम योग्यता परीक्षा की अंकतालिका।
2. कोर्स में प्रवेश का साक्ष्य।
3. विशिष्ट कोर्स के खर्चों की सारणी।
4. पिछले छः महीनों का बैंक अकाउंट स्टेटमेन्ट।
5. पिछले दो वर्षों का आयकर मूल्यांकन का पत्र।
6. सहऋणि (माता/पिता/संरक्षक) की सम्पत्ति और जिम्मेदारियाँ और आय का साक्ष्य।
7. पहचान प्रमाण पत्र (लाइसेंस/मतदाता पहचान पत्र)
8. मूल निवास प्रमाण पत्र।
9. यदि छात्र अनुसूचित जाति/जनजाति का है तो जाति प्रमाण पत्र।

उपर्युक्त बैकों के अतिरिक्त निम्न बैंक भी उच्च शिक्षा हेतु शैक्षिक ऋण उपलब्ध कराते हैं।

1. सेन्ट्रल बैंक ऑफ इण्डिया
2. बैंक ऑफ इण्डिया
3. यूनियन बैंक ऑफ इण्डिया
4. ओरियन्टल बैंक ऑफ कॉमर्स
5. इण्डियन ओवरसीज बैंक
6. देना बैंक
7. एक्सिस बैंक
8. यूको बैंक

क्विक कोर्सेस से सावधान

1. 30 घण्टे में प्रोफेशनल रियल एस्टेट सलाहकार बनें।
2. स्टॉक मार्केट में भरपूर धन कमाऐं, शानदार वेतन, शानदार कॅरियर, चार माह से भी कम समय में । कम्प्यूटर गेम डवलपमेन्ट एक उच्च वेतन वाला कॅरियर का विकल्प है।
3. क्या ये शीर्षक आकर्षक नहीं हैं? क्या ये शीर्षक आपको प्रलोभित नहीं करते हैं?

इस तरह के विज्ञापनों से बचें।

1. सिर्फ आकर्षक विज्ञापन को देख कर किसी कोर्स में प्रवेश न लें। सिर्फ मार्केटिंग ऑफिस में नही संस्थान में जाकर भी देखें।
2. विदेशी संबद्धता की जाँच वेबसाइट, फोन कॉल से करें या उस देश के हाई कमिशन या दूतावास से करें। एआईसीटीई/यूजीसी की वेबसाइट में भी विदेशी इंस्टीट्यूट की सूची उपलब्ध रहती है।
3. अगर संस्थान एआईसीटीई या यूजीसी से मान्यता प्राप्त नहीं है, तो क्या उसे इंडस्ट्री से मान्यता मिली है? पता करें।
4. फीस डिटेल का पता करें व इंस्टीट्यूट के प्लेसमेन्ट दावों को जाँचें।
5. इंस्टीट्यूट की वेबसाइट या फोन से मिली सूचना को जाँचें ।
6. फैकल्टी के बारे मे पता करें । कई बार सिर्फ आकर्षित करने के लिए बड़े नामों का सहारा लिया जाता है।
7. सिर्फ सात सितारे वाले माहौल व दिखावटी साज–सज्जा से प्रभावित न हों बल्कि पाठ्यक्रमों एवं नौकरी के अवसरों को गहराई से परखें।
8. कोर्स आपकी योग्यता, अनुभव या रुचि से मेल खाता हो तभी प्रवेश लें।

   अधिकतर शॉर्ट–टर्म कोर्स सिर्फ टॉप–अप कोर्स ही हो सकते हैं।
9. सावधान हो जाऐं यदि सलेक्शन का तरीका आसान हो, क्योंकि अच्छे इंस्टीट्यूट में सलेक्शन का तरीका आसान नहीं होता है।
10. यदि आप स्वयं नहीं समझ पा रहें हैं तो कॉउंसलर से सलाह लें।

सन्दर्भ ग्रन्थ

1. कॅरियर चुनाव कैसे करें – मनोज पब्लिकेशन, दिल्ली।
2. उभरते कॅरियर विकल्प व नौकरियाँ – एस.ए. पब्लिकेशन, दिल्ली।
3. कॅरियर समाधान – इंद्रा पब्लिशिंग हाउस, भोपाल।
4. विभिन्न कॅरियर संबंधी पत्रिकाएँ
5. विभिन्न दैनिक समाचार पत्र, वेबसाइट्स, रोजगार समाचार, रोजगार सन्देश आदि।
6. ऑपनिंग्स आफ्टर स्कूल एजुकेशन – एस.ए. पब्लिकेशन दिल्ली।

कार्यकारी दल

क्र.स.	नाम सदस्य	पद	पदस्थापन स्थान
1.	डॉ. नर्बदाशंकर श्रीमाली	प्राध्यापक	एसआईईआरटी, उदयपुर
2.	श्री अखिलेश कुमार श्रीवास्तव	प्राध्यापक	राउमावि धौलपुर
3.	श्री हितेन्द्र सोनी	अनु.सहायक	एसआईईआरटी, उदयपुर
4.	श्री दर्शन दीक्षित	व.अ.	राउमावि पिण्डावल, डूंगरपुर
5.	श्री सुरेन्द्र पुरी गोस्वामी	अध्यापक	राउप्रावि नं. 2 नाडोल, पाली
6.	श्रीमती कृष्णा यादव	अध्यापिका	राउप्रावि फलासिया, आमेट
7.	श्री घनश्याम गोराणा	अध्यापक	राउमावि मारवाड़ जंक्शन